और तेरा बीज उसके शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा

मैं हमेशा की तरह एक या दो घंटे से हूं। पास्टर उठ खड़ा हुआ, कहा, "अब, मैं आप सभी से देर से आये श्रीमान ब्रन्हम का परिचय कराना चाहता हूं।" तो ठीक है, मेरे पास करने के लिए बहुत सी चीजें होती हैं सो मैं—मैं बस कभी तो एक बार देर से आता है। लेकिन इस बार मैं इसके लिए मदद नहीं कर सका। यह उस मौसम के कारण से था जिसकी वजह से इस बार ऐसा हो गया। मैं इसे मौसम पर रख सकता हूं और इसे ले सकता हूं। इसे स्थगित करना था, भाई रोज, बस थोडा सा। सुप्रभात, बहन रोज। और आज सुबह भाई रोज और बहन रोज को यहां पाकर खुशी हुई, और भाई शार्रिट, और बहुत से भाई लोग, आप वहां पर जो भले लोग है।

2 मैं इसे सुनता हूं, कोई तो मुझे बताता है, "जब फीनिक्स में बारिश होती है, तो हर कोई बस बिस्तर पर रहता है," ऐसा बदलाव, आप जानते हैं। इन दिनों में से एक दिन मैं एक मुफ्त भोजन लेने जा रहा हूं। वे मुझे बताते हैं कि आप हर दिन मुफ्त में भोजन कर सकते हैं, सूरज नहीं चमकता है। मैं आज इसे देखने जा रहा हूं, उनसे इसके लिए भुगतान करवाऊंगा।

3 मैं किसी कलीसिया के लिए कल रात को बोल रहा था। मुझे वास्तव में इसका नाम याद नहीं आ रहा है। और सो हमारे पास पिछली रात को सभा में एक अद्भुत समय था। और भाई आउटलाव के लिए, और टेप तक, और हम बस इस संगति में एक अच्छा समय बीता रहे है। और मैं इन सभी सेवक भाइयों से कन्वेंशन में मिलने की आशा कर रहा हूं, इसलिए हमारे पास समय होगा कि बस एक प्रकार यहाँ वहां जाने का खाली समय होगा, भाई रोज, और एक दूसरे से बात करें। और यही है जिसके लिए मैं आया हूं, कि संगति करे। और हमारे पास... हमारे कार्यक्रम की ओर देख रहे थे और बहुत से स्थानों के लिए देख रहे थे। लेकिन मैंने सोचा कि यह सबसे बड़ा अवसर था, क्योंकि मुझे अलग–अलग लोगों से—से भेंट करना होता है, कि उनसे मिलूं और आगे बढ़ूं।

4 कभी–कभी प्रचार में, हर सेवक को गलत समझा जाता है, किसी न

किसी तरह से। बहुत सी बार, आप जो कहते हैं लोग कुछ तो बात को इस तरह से ले लेते हैं और बस एक प्रकार से... यह उनको जरा सा झुका देता है, इसलिए वे इसे उस तरह से कहेंगे। और फिर अगला वाला इसे लेता है, यह थोड़ा और झुका देता है। पहली बात जो आप जानते हैं, यह सत्य से पूरी तरह से बाहर हो जाता है।

5 सो—सो हम, बहुत सी बार, प्रचार करने में, मैं एक प्रकार से संप्रदायों और संगठनों और चीजों पर हावी हो जाता हूं। कभी–कभी, तब लोग कहते हैं, "भाई ब्रन्हम एक संगठन के विरोध में हैं।" यह गलत है। मैं किसी संगठन के विरोध में नहीं हूं। लेकिन ऐसा बहुत सी बार होता है कि लोग बस उस संगठन पर निर्भर हो जाते हैं, आप देखते हैं, और अपनी सारी आशाओ को मसीह पर रखने के बजाये उस संगठन पर रखते है।

6 वे देखना चाहते हैं कि वे उस संगठन में कितने सदस्यों को जोड़ सकते हैं। अब, यह बहुत अच्छा है। मैं—मैं... यह ठीक बात है। मैं सोचता हूं कि हर संगठन को हर एक सदस्य को लेना होगा जो इसमें जुड़ सकता है। यह बहुत अच्छा है। लेकिन जब आप अपरिवर्तित जन को लेते हैं और जितना आप पवित्र आत्मा पर जोर डालते हैं, उससे बढ़कर उस संगठन पर जोर डालते हैं, जैसे कि भाई रोज यहां कुछ समय पहले कह रहे थे, और उन बातों को, तब आप—आप लोगों को सोचने को लगाते हैं, "हम *इससे* जुड़े हुए हैं, और हम *उससे* संबंध रखते हैं।" आखिरकार, हम सब परमेश्वर के हैं। देखा?

7 अब, यदि मैंने एक मनुष्य को नदी में नाव में जाते हुए देखा है... और मैं इंडियाना में एक नदी के पास रहता हूं, ओहियो नदी के, और मैं ठीक झरने के पास रहता हूं। यह एक बहुत ही ख़राब स्थान है, वे झरने, क्योंकि यह ठीक अभी आपको नष्ट कर देगा। यदि आप कभी उस झरने पर जाते हैं, तो वहां कोई नाव उस पर नहीं चल सकती है, क्योंकि यह इस तरह से है, लगभग चालीस या पचास फुट सीधे नीचे की ओर, और फिर एक बड़ा पानी का भंवर नीचे की ओर आता है, जो यह ठीक चट्टान पर टकराता है, वहां जो नीचे आधारचट्टान होती है। और मैं सोचता हूं वो—वो—वो चोटियाँ, सफेद चोटियाँ, झरने के नीचे चालीस फुट की ऊंचाई पर से झरने का बहाव होता है, देखो, जहां से यह नीचे गिरकर, फिर से ऊपर की ओर उड़ता है। और फिर बस सीधे इस तरह से जोर से उछलता हुआ

चला जाता है, और एक बड़ी जल की तेज धारा के अंदर चली जाती है जो लगभग साठ या सत्तर फीट गहरा होता है। और वहां एक भँवर है जो इसे *इस* तरह से घुमता है, और इसे बाहर लाता है और एक नहर में से होते हुए नीचे चला जाता है। वहां कभी भी जीवित रहने का कोई तरीका ही नहीं है, आप देखो।

8 एक व्यक्ति कुछ समय पहले यहां से जीवन रक्षक जैकेट पहने हुए वहां पर चला गया। उन्होंने केवल जो चीज को देखा जब वह *इस* तरह से गिरा। [भाई ब्रंहम ने अपनी उंगली से चुटकी बजाते है—सम्पा।] यहां तक कि वह जीवन रक्षक जैकेट, उस भयानक जल की धारा ने उसे सीधे नीचे ले लिया। और उसे कभी नहीं देखा गया। कभी नहीं जान पाये कि उसका क्या हुआ। वह चट्टानों पर या किनारों पर वहां नीचे अटक गया होगा, हो सकता है लगभग एक या दो मील पर, इस तरह से, और जीवित रहने का कोई जरिया नहीं।

9 और यदि मैं किसी को नदी के नीचे उस छोटी पुरानी नाव में जाते हुए देखता हूं, वहां बैठा हुआ पढ़ रहा था, आगे जा रहा था, और मैं उस पर चिल्लाने लगता हूं, "उस नाव से बाहर निकलो। वह नाव उन लहरों से उतर नहीं पाएगी।" अब, ऐसा नहीं है कि मेरे अंदर उस व्यक्ति के विरोध में कुछ भी है, यहां तक कि यदि मुझे उस पर चिल्लाना भी पड़े और उससे बहुत ही कठोर बात करनी पड़े। ऐसा नहीं है कि मेरे अंदर उस व्यक्ति के विरोध में कुछ भी है। मैं उस व्यक्ति से प्रेम करता हूं, लेकिन मैं जानता हूं कि वह नष्ट होने जा रहा है। यही कारण है कि मैं उस पर चिल्लाता हूं। क्योंकि वह नहीं... यह इसलिए है क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं, यही—यही कारण है कि मैं चिल्लाता हूं। यदि मैं परवाह नहीं करता, तो मैं कहता, "अच्छा, अच्छी मुक्ति मिल रही है," जाने दो, देखो, यदि मैं उसकी परवाह नहीं करता।

10 लेकिन जिस कारण से मैं उन बातों को कहता हूं, क्योंकि मैं कलीसिया के प्रति उत्साही रहता हूं। मैं—मैं परमेश्वर की कलीसिया के प्रति उत्साही रहता हूं। और मैं—मैं यह देखने से घृणा करता हूं कि यह तो बस संगठनात्मक विचारों वाला होता जा रहा है। और मैं उस विचारधारा को जानता हूं, इसी तरह से हर कलीसिया नीचे गिर चुकी है, ठीक उसी तरह से, ठीक उस संगठनात्मक विचारों में से होते हुए।

11 जरा लूथरन के समय में बेदारी के बारे में सोचे, देखो कि यह कहाँ पर चले गये। और जैसे ही यह कभी उस तक पहुंची, यह फिर से कभी भी ऊपर नहीं आई। लूथरन कभी वापस नहीं आये। वेस्ली मेथोडिस्ट की ओर देखें, वे कभी वापस नहीं आए। पिलग्रिम होलीनेस को देखें, नाज़रीन, वे बाकी के सारे, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन। उनके पास एक बेदारी है, और तब कोई मनुष्य परमेश्वर की सामर्थ के साथ ऊपर उठता है, वह आत्मा में एक अभियान को आरंभ करता है। फिर जैसे ही वह मनुष्य चला गया, तब उन्होंने वहां उसमें से एक संगठन बनाया।

12 जैसे मूडी बाईबल संस्थान, जो अच्छा स्थान है, लेकिन यह कभी भी मूडी की तरह नहीं होगा। समझे? और जिन चीजों के लिए मूडी खड़ा था, वे इस बात से लाखों मील दूर हैं, इसलिए आप वहां पर हैं। और अब यह सब बौद्धिक है, जहां मूडी ने इसे आत्मा पर रखा था, आप देखे। और इसलिए आप—आप उन चीजों में यह पाते हैं।

13 अब, जब मैंने पहली बार आरंभ किया था, और वर्षों पहले यहां फीनिक्स आया था, पेंटीकोस्टल के अभियान में, मेरे पास स्वयं एक संस्था को आरंभ करने का अवसर था। लेटर–रेन के भाई लोग मेरे पास आए, कहा, "यही है। आइए आरंभ करें। इसलिए, हम उन सभी बाकी संस्थाओ से बड़े होंगे—होंगे।"

14 मैंने कहा, "दया! यह ऐसा नहीं है। भाइयों, यह—यह बात इस तरह से नहीं है। आप—आप उस रास्ते से दस लाख मील दूर—दूर है। परमेश्वर इसे कभी भी आशीषित नहीं करेगा।" अपने इतिहास को पढे। बाईबल पढ़ें। इसमें से कोई और संस्था कभी भी बाहर नहीं आएगी, जो इसी में से आती है। यह सही बात है। यह संगठित होकर और चले जाते... यह अब लौदीकिया की स्थिति में है। लेकिन मैं आपको बताऊंगा, भाई, अब और कोई परमेश्वर की आशीषित संगठनाए नहीं है जो ऊपर उठे। इससे कुछ नहीं होगा। हम प्रभु के आगमन पर हैं। समझे? और परमेश्वर बचे हुओ को इस बडे विश्वव्यापी अभियान में से निकालेगा, जो कि अभी चल रहा है, दुल्हन के लिए, लेकिन वहां कभी कुछ भी अब और संगठित नहीं होगा, आत्मिक रूप से। देखा? यह समाप्त हुआ है।

15 जब मैं अपने भाइयों को देखता हूं, बहुमूल्य भाई, उस ओर झुके हुए हैं, तब मैं बस इसे उसमें मेरा पूरा जोर लगाकर सब कुछ उगल देता हूं।

और कभी–कभी भाई कहते हैं, "भाई ब्रंहम हमारे विरोध में है। हम... " यह गलत है। ओह! किसी के भी विरोध में होना यह—यह मेरे मन से, बहुत ही दूर की बात है। मैं—मैं आपके लिए हूं। मैं आपका भाई हूं, देखो, और अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं। और यही कारण है कि मैं कभी भी किसी भी एक संस्था से नहीं जुड़ा, इसलिए मैं दरार में खड़ा हो सकता हूं और कह सकता हूं, "भाई, नहीं। यह इस तरह से नहीं होना है।"

16 वे कहते हैं, "हम असेंबली से संबंध रखते हैं।" यह अच्छी बात है। असेंबली ऑफ गॉड मेरे लिए एक शानदार आशीष रही है। "हम फोरस्क्वेयर हैं।" तो ठीक है, देखो वे मेरे लिए क्या ही आशीष है। "हम यीशु के नाम वाले हैं।" देखो वे मेरे लिए क्या ही आशीष रहे थे। "हम ही वो *एक* है, *कुछ* और है।" जो भी हो, वे सब आशीषे है। वे—वे परमेश्वर के लोग हैं। देखा? और परमेश्वर के लोग इस सभी में है।

17 और जब हम अपने आप से सहभागी होते हैं, कहते हुए, "हम यहां चर्च ऑफ गॉड से थोड़े बेहतर हैं," आप देखना, या, "हम फोरस्क्वेयर या जीसस नेम से थोड़े बेहतर हैं," या ऐसा ही कुछ। जब हम बस एक... हम हो सकता है विचारों में थोड़ा भिन्न हो। हम सब आज रात का खाना खाने के लिए गए, हम सब अलग–अलग पकवान को लेते है, लेकिन हम पकवान को एक ही तरह से खा रहे हैं, आप देखना। यही विचार है। तो इसका विचार ऐसा है, क्या—क्या हम बस हमारी संगति को देख सकते हैं। इसलिए संगठन की ओर झुकाव ना करें। कलवरी की ओर झुकाव करे। तो आप इन दूसरी चीजों के लिए मरे हुए से बन जाते हैं। देखा? और मैं विश्वास करता हूं...

18 मुझे यह कहने दो, जबकि यह मेरे मन में है। मैं विश्वास करता हूं कि एक संस्था ने एक अच्छी भूमिका निभाई है। क्योंकि, वहाँ बहुत सी बार, भाई लोग, इतना बुरा हम इसे सोचने से भी घृणा करते हैं, हमारे बीच में ऐसी चीजें ऊपर आई हैं, और इस तरह की बातें, जो कि धर्म विरुद्ध रही है। और लोग बस उन विधर्मियों को लेकर और लोगों को किसी भी तरह से तितर–बितर कर देंगे। और भाइयों का एक झुण्ड एक साथ इकट्ठा होता है जो... कि मैं... मेरा मतलब यह है कि बाहर जा रहा है जैसे उन्होंने आरंभ के दिनों में किया था और हर प्रकार की चीजें। और—और हमारे पास आज भी यह सब है, देखो, बस अभी भी एक अभियान चल रहा है। और कुछ

लोग जो खुद को एक साथ ला सकते हैं...

19 पेंटीकोस्ट की वास्तविक तस्वीर, मेरी राय में, जब यह संगठन की बात आती है, ये वो—वो कलीसिया है, भाई पेथ्रस, स्वीडन में फिलदेल्फ़िया कलीसिया। अब, वे परवाह नहीं करते कि आपके पास किस प्रकार की शिक्षा है, जब तक यह वचन के अनुसार है। यदि आप इसे *इस* तरह से देखना चाहते हैं, *उस* तरह से, या किसी भी तरह, जब तक आपके पास संगति है और एक वास्तविक शुद्ध पवित्र जीवन जीते हैं। आप वहां है। यह अच्छा है। और यदि आप यह कहना चाहते हैं कि यीशु एक सफेद घोड़े पर आ रहा है, और दूसरा एक कहता है कि वह एक सफेद बादल पर आ रहा है, उसे इस तरह से आने के लिए देखते है। बस आगे बढ़ो, जब तक आप एक अच्छा साफ जीवन जीते हैं और संगति रखते हैं। यही तरीका है। बस ऐसा ही है।

20 तो, ठीक है, अब, यही वो एक कारण है, मित्रों, कि मैं इस बिजनेस मेन के झुण्ड के साथ हूं। क्योंकि, मैं जानता हूं कि वहां पर बहुत सारी चीजें हैं जिन्हें ठीक किया जाना चाहिए। लेकिन यह—यह सबसे अच्छा है जो हमारे पास है। जी हां। यह सही है। जी हां। वहां बहुत सारी बातें है जो मुझे कहनी है। और—और आप, यहां के भाई लोग आपको बताएंगे, मैं उनके साथ कभी भी बहुत ही कड़े शब्दों का प्रयोग नहीं करता। मैं यहां परमेश्वर के सेवक के रूप में हूं, कि सत्य को बताऊं। और मुझे इसका उत्तर देना है। यह सही है। भाई रोज ने कहा, "इसीलिए हम आपको पसंद करते हैं।" तो ठीक है, कि—कि, हम नहीं कर सकते... हमें—हमें इस वचन के साथ बने रहना है। देखा?

21 अभी कुछ समय पहले, मैं सोचता हूं, क्या आप... मैं विदेश में था, या पिछले वर्ष टापू पर था, और उनकी एक सभा हुई थी, और कुछ भाई इस महान सभा में बढाई कर रहे थे, जहां उनके पास सारे देश भर के व्यापारी लोग थे। और वे इस विषय में बोल रहे थे, "मेरे पास कोने में एक छोटा सा स्थान था। मेरा व्यवसाय अच्छा नहीं था। और मेरे पास एक भयानक समय था। और पहली बात जो आप जानते हैं, मैं—मैं मसीह को ग्रहण करने के लिए अंदर आया, और—और, ओह, मेरे पास अब सब कुछ है।" अब, यह अच्छा है। हम इसकी सराहना करते हैं। यह अच्छी बात है, लेकिन फलने–फूलने या सफलता का मतलब हमेशा ही मसीह नहीं होता है। यह,

देखिये, और हमें इस पर ध्यान देना है। अब, यह अच्छा है। समझे? मैं... इसके विरोध में कुछ भी नहीं।

22 लेकिन मैं एक प्रकार से उस रात्रि भाइयों के साथ गया। हम नीचे उस होटल में गए जहां हमारा एक—एक झुण्ड ठहरा हुआ था, और भाई शकरियन और हम सभी। और मैंने कहा, "तो ठीक है," मैंने कहा, "भाइयों, मैं आपको बताऊंगा।" मैंने कहा, "मैं—मैं सोचता हूं कि आप भाइयों का सबसे अच्छा झुण्ड है, जिनसे मैं अपने जीवन में कभी मिला हूं। लेकिन," मैंने कहा, "बात ऐसी है," मैंने कहा...

23 मैं किसी संस्था से संबंध नहीं रखता हूं, लेकिन मैं उस संगति से जुड़ता हूं। मैं उनके साथ एक संगती का कार्ड रखता हूं, केवल एक ही कार्ड जो मैं रखता हूं, क्योंकि यह सारे संगठनों का प्रतिनिधित्व करता है, आप देखते हैं। और यही है जो मुझे पसंद है। यही है जिसके लिए मैं प्रयास कर रहा हूं।

24 "लेकिन," मैंने कहा, "जो बात मुझे चिंतित करती है, कि आप भाई लोग उन लोगों के सामने जो वहां पर है, जो आपसे हजार गुना अधिक फले–फुले या सफलता पाए हुए हैं, और फिर उन्हें बताने की कोशिश कर रहे हैं कि मसीह ही सफलता है। उन्हें कभी भी यह बेचने की कोशिश ना करे।" समझे?

25 कभी भी संसार के साथ तुलना करने की कोशिश मत करो। संसार को हमारे आधार–भूमी पर आने दो। उनके आधार–भूमी पर मत जाओ। देखा? देखा? आप उनकी आधार–भूमी पर चले जाते है, हम उनके साथ कभी नहीं चमकेंगे। आखिरकार, सुसमाचार चमकता नहीं है; यह तेज उज्वल होता है। हॉलीवुड चमकता है। सुसमाचार तेज उज्वल होता है। चमकने और तेज उज्वल होने में बहुत अंतर है।

26 और इसलिए, अब, और मैंने कहा, "आरंभ के पेंटीकोस्टल भाई लोग जिनके पास कुछ तो था, इससे छुटकारा पाने की कोशिश की, और गरीबों को खाना खिलाते थे, और इसी तरह से आदि–आदि, और बिना किसी चीज के बाहर चले जाते, देखो, ताकि सुसमाचार को प्रचार करे, संगति करे।" मैंने कहा, "अब हम इस पर बढाई मारने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारे पास कितना कुछ है।" मैंने कहा, "इस बात में कितना फर्क है!"

27 और एक बहुमूल्य छोटा भाई, कुछ समय के बाद वह उठा, मुझसे कहा, उसने कहा, "भाई ब्रंहम, यह सबसे बड़ी गलतियों में से एक थी जो

लोगों ने कभी की।"

28 और मैंने कहा, "अब, देखो, भाई, मैं लोगों को यह बताने की कोशिश नहीं कर रहा था कि जो उनके पास है उसे बेच दे। लेकिन मैं बस इन व्यापारियों के लिए एक मुख्य चीज को लाने की कोशिश कर रहा हूं।"

उसने कहा, "यह सबसे बड़ी गलती थी, जो उन लोगो ने की थी।"

29 मैंने कहा, "उन्होंने यह पवित्र आत्मा के द्वारा किया। पवित्र आत्मा ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा।" पवित्र आत्मा किसी को भी कुछ भी करने के लिए कहता है, आप वही करें जो वो आपको करने के लिए कहता है।

30 और उसने कहा, "तो ठीक है, यह कलीसिया की अब तक की सबसे बेकार गलती थी।"

31 मैंने कहा, "क्यों भाई? " और ठीक वहां उस व्यक्ति के सामने, जिससे मैं बात कर रहा था।

32 उसने कहा, "क्योंकि, जैसे ही वहां कलीसिया में एक छोटा सा वाद–विवाद ऊपर आया, वहां यूनानियों और—और इब्रानियों और इत्यादि के बीच एक अंतर था," कहा, "उन लोगों के पास जाने के लिए स्थान नहीं था। उनके पास यहां तक लौटने के लिए कोई घर भी नहीं था।"

मैंने कहा, "बिल्कुल ठीक यही परमेश्वर की इच्छा थी।"

उसने कहा, "यह भला परमेश्वर की इच्छा कैसे हो सकती है? "

33 मैंने कहा, "वे हर जगह पर गए, सुसमाचार को फैला रहे थे, क्योंकि उनके पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं था।"

34 पवित्र आत्मा कोई गलती नहीं करता है। यह बस ऐसे ही नहीं करता है। बस ऐसा ही है। और जैसा कि मैं कल रात बोल रहा था, आपको बस परमेश्वर को थामे रहना है, और उसके वचन को थामे रहे, और इसे सही से पकडे रहे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह आपको कहां ले जाता है, बस इसके पीछे–पीछे चलना। बस ऐसे ही आगे चलते रहे।

35 लेकिन निश्चित रूप से मैं इस बिजनेस मेन की संगति का एक—एक समर्थक हूं। और हर एक कन्वेंशन जिसमें मुझे आमंत्रित किया जाता है, मैं हमेशा ही जाता हूं और बोलता हूं, वो सब कुछ कहता हूं जो मैं कह सकता हूं। ना ही केवल कहने के लिए कुछ समझौता करने का यत्न करें, जो किसी को प्रसन्न करना हो, *इसे–या–उसे*। लेकिन हर बार जब मैं अपनी सभा

में जाता हूं, मैं अध्ययन करने और प्रार्थना करने और उपवास करने की कोशिश करता हूं, और कहता हूं, "प्रभु यीशु, मैं क्या—क्या कह सकता हूं जिससे उन लोगों की सहायता हो सके।"

36 हर कोई जानता है कि मैं प्रचारक नहीं हूं। मैं एक वक्ता नहीं हूं। मैं—मैं... हर कोई यह जानता है। मैं प्रचारक नहीं हूं। मेरा—मेरा संदेश बीमारों के लिए प्रार्थना करना है, और इसी तरह से इत्यादि। लेकिन, मैं एक प्रचारक नहीं हूं। हर कोई यह जानता होगा, जो मुझे प्रचार करते हुए सुनता है। लेकिन मैं जो कहता हूं, मैं उसमें उत्तेजना डालना चाहता हूं जो कुछ तो करेगा।

37 ना ही यह कहने के लिए कि, "क्या वह एक—एक प्रभाव डालने वाला प्रचारक वाला नहीं है? क्या वह अपने व्याकरण का सही प्रयोग नहीं करता है? क्या वह पुलपिट में अद्भुत नहीं है? " मैं यह नहीं चाहता। मैं—मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगा। परमेश्वर ने मुझे इसके लिए कभी नहीं बुलाया।

38 लेकिन मैं कुछ ऐसा पाने की कोशिश करता हूं जो उस व्यक्ति की सहायता करे, और वो कलीसिया एक बेहतर कलीसिया बने, सहायता करें कि इससे लोग बेहतर बने, इस पर प्रार्थना करता हूं।

39 अब, मैं एक प्रकार से इस तरह से बोल रहा था क्योंकि मैंने देखा कि कुछ लोग अब भी एकत्र हो रहे हैं, और बाहर बारिश हो रही है। यही कारण है कि मैं इन बातों को कह रहा था। अब, एक पंद्रह मिनट के बाद।

40 और अब मैं भाई को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं भाई फुलर को लंबे समय से जानता हूं, हमेशा ही उनसे अपने ह्रदय की गहराई से प्रेम किया। और हमारे पास बहुत सी बातें एक जैसी है, भाई फुलर। और इसलिए हम... मैंने भाई फुलर को बहुत वर्षों से देखा है, और मैं उसे जानता हूं कि वह वास्तविक सच्चा परमेश्वर का मनुष्य है, और मैं उससे प्रेम करता हूं। और मैं आज सुबह यहां पर संगती करने के लिए हूं। बहुत ही खेद है कि मैं उनकी रात सभा से चूक गया कि जब कि इसका विज्ञापन यहां पर किया गया था, लेकिन यह कुछ ऐसा था जिसकी मैं मदद नहीं कर सकता था। और मैं आज सुबह यहां आकर खुश हूं, उसकी कलीसिया को देखकर, अच्छा लगा, किस तरह से परमेश्वर ने उन्हें फलने–फूलने को लगाया है और उन्हें आशीषित किया है। और—और हर एक चीज जो उसने उसके लिए की है, मैं निश्चित रूप से इसकी सराहना करता हूं। होने पाए परमेश्वर उसे

लगातार आशीष दे, और इस आराधनालय को आशीषित करे, और—और ट्रस्टी बोर्ड, डिकन, और कलीसिया के सारे सदस्यों को। और होने पाए आप बढे और प्रभु के अनुग्रह में फले–फुले, यह मेरी नम्र प्रार्थना है।

41 अब, इससे पहले कि हम वचन के पास जाये, आइए पहले लेखक के पास जायेगे। आइए प्रार्थना के लिए कुछ क्षण के लिए हमारे सिरों को झुकाये।

42 जबकि हम अब पूरी तरह से परमेश्वर की उपस्थिति में बैठे हुए है, अपने सिरों और ह्रदयो को झुकाए हुए, क्या आपके ह्रदय में कोई विनंती है, कि कोई तो चीज जिसकी आपको आवश्यकता है, जो आप चाहते हैं कि प्रभु आपको दे, जिससे कि मैं आपको आज सुबह यहां कलीसिया में अपनी प्रार्थना में याद कर सकूं? क्या आप इसे केवल अपने हाथ को उठाकर ज्ञात करवाएंगे? बस इसे अपने मन में रखें, यह क्या है। प्रभु आप में से हर एक को आपके विनंती के अनुसार प्रदान करे।

43 अनुग्रहकारी और पवित्र पिता परमेश्वर, जिसने मसीह यीशु के जरिये से सारी चीजों की सृष्टि की, उसकी महिमा के लिए, हम आज सुबह हमारे ह्रदय में धन्यवाद के साथ आपकी उपस्थिति में आते हैं। और जैसा कि हम बारिश में से होकर गाड़ी चलाकर आये है, और हवा चल रही है, बारिश हो रही है, हम प्रार्थना करते हैं, स्वर्गीय पिता, कि आप हम पर स्वर्ग की वर्षा को उंडेलेंगे, आत्मिक बारिश, अंतिम बारिश और पहली बारिश, एक साथ, आज हमारे ह्रदय में उंडेलेंगे।

44 हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि आप इस कलीसिया को आशीष देंगे। हम इसके लिए बहुत ही आभारी हैं, इसके पास्टर के लिए, इसकी सभा के लोगों के लिए, इसके... एक ऐसा स्थान के लिए जहां लोग मिल सकते है उनके सिर के ऊपर छत हैं और बैठने के लिए एक अच्छी आरामदायक सीट है।

45 हम हमारे मनों में इस आरंभिक कलीसिया के इतिहास में वापस पीछे जाते हैं, इस आरंभिक, प्रेरित, कैथोलिक कलीसिया, और देखते हैं कि वे किस तरह से पत्थरों की पटिया पर या ऐसी ही किसी चीज पर बैठते थे, परमेश्वर के वचन को सुनने के लिए, और फिर फर्श पर घुटने टेकते, और यह ठंडा होता था और कड़क पत्थर और गंदगी, और वहां अपने हाथों को स्वर्ग की ओर उठाये रहते और पवित्र आत्मा की उपस्थिति का आनंद लेते

थे। उन्हें उनके जीवन में ऐसा दृढ़ निश्चय मिलता था इतना तक कि वे शेरों की मांद में चले जाते, कभी भी यहाँ तक एक कदम भी नहीं हटते, लेकिन उनके चेहरे पर मुस्कान होती थी, स्वर्ग की ओर देखते हुए, जानते हुए, कुछ ही मिनटों में, वे उसकी उपस्थिति में होंगे, जिससे उन्होंने प्रेम किया था।

46 ओह, हमारे अभी भी पूर्व–पिताओं का विश्वास जीवित है, कालकोठरी, ज्वाला और तलवार में से होते हुए भी। ऐसा विश्वास हमारे अंदर नये सिरे से हो, हे प्रभु। हममें पवित्र आत्मा की महान प्रेरितो की आशीष को देना।

47 आज हर एक जन जिनके हाथ ऊपर हुए थे, आप जानते हैं कि उन्हें किस चीज की आवश्यकता है, प्रभु। आप जानते हैं कि उस हाथ के पीछे क्या था, उस हृदय में क्या उद्देश्य और लक्ष्य था। केवल आप ही हर आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं, प्रभु। और मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं, उनकी आवश्यकता को नहीं जानता, लेकिन मेरी प्रार्थना को उनके लिए एक विनंती के रूप में सामने रखता हूं। आपका सेवक होने के नाते, मैं हर एक के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करता हूं, कि, जो कुछ भी उन्होंने मांगा है, होने पाए वे ग्रहण करे। उन्हें आशीष देना, पिता।

48 और अब जैसा कि हम आपके वचन को पढ़ते हैं, और इस संडे स्कूल की कक्षा को शिक्षा देते हैं, जैसा कि यह आज सुबह था, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इन वचनों को लेंगे और उनमें से हर एक अविश्वास को छिलकर फेंक देंगे, प्रभु; कि, शैतान की कोई भी शक्ति उसे नष्ट करने की कोशिश करती है, जो इसे बढ़ने से रोकेगी, होने पाए यह हर एक हृदय में जाए, और वहां धार्मिकता के फलदार वृक्ष बने, प्रभु। विश्वास, उसे आगे लेकर आये जिसे करने के लिए आपने अपने वचन को ठहराया है, कहते हुए, "यह मेरे पास व्यर्थ नहीं लौटेगा, लेकिन यह उसे पूरा करेगा जिस उद्देश्य के लिए यह था।"

49 अब, प्रभु, अपने दास को पवित्र करे। आपका वचन पहले से ही पवित्र है। और, साथ ही, होने पाए हम झुंड को खिलाने में सक्षम हो सके जो पवित्र आत्मा ने हमें उस—उस सिखाने के काम को दिया है। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

50 अब, आपके लिए जो उस—उस संदेश के साथ कभी–कभी पढ़ना

पसंद करते हैं, मैं... मैं आपसे कहता हूं, क्या आप किताब के पन्नो को पलटेंगे। और मेरे पास बस एक छोटा सा सन्डे स्कूल का संदेश है, जैसे, आज सुबह लोगों के लिए।

51 क्या आप मुझे ठीक से सुन सकते हैं, हर कहीं पर, सारे स्थान में? मैंने इस माइक्रोफोन को ऊपर उठाया। मैं गला बस जरा सा ख़राब हूं। मैं, जैसे ही मैं यहाँ पर आया, मुझे फ्लू हो गया। शैतान ने मुझे यहाँ से दूर रखने की पूरी कोशिश की। मैं नहीं जानता। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर निश्चित रूप से इस बार इस कन्वेंशन पर कुछ तो महान चीज को उंडेल देगा, क्योंकि शैतान ने वो हर संभव कोशिश की है जो मुझे इससे दूर रखने के लिए कर सकता था।

52 लेकिन अब हम उत्पत्ति में से 22वे अध्याय को पढने जा रहे है। और आप जो अपनी बाईबल को खोलेंगे, आइये इसके एक भाग को मिलकर पढ़ें। उत्पत्ति 22, आइए हम 9वें पद से आरंभ करें।

> *और वे उस स्थान पर आए जिसके विषय में परमेश्वर ने उसे बताया था; तब अब्राहम ने वहां वेदी बनाकर, लकड़ी को चुन चुनकर रखा, और अपने पुत्र इसहाक को बान्ध के वेदी पर की लकड़ी के ऊपर रख दिया।*
>
> *और अब्राहम ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर, और अपने पुत्र को घात करने के लिए छुरी को लिया।*
>
> *तब यहोवा के दूत ने स्वर्ग से उसको पुकार कर और कहने लगा, हे अब्राहम, हे अब्राहम; उसने कहा, देख, मैं यहां हूं।*
>
> *और उसने कहा, उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा, और न ही उसको कुछ कर: क्योंकि तू ने जो मुझ से अपने पुत्र, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी नहीं रख छोड़ा; इस से मैं अब जान गया कि तू परमेश्वर का भय मानता है।*
>
> *और तब अब्राहम ने आंखे उठाई, और क्या देखा, कि उसके पीछे एक मेढ़ा इसके सींगो से एक झाड़ी में फंसा हुआ है,* या मेरा मतलब *उसके सींगों के द्वारा: और अब्राहम ने जाकर और मेढ़े को लिया, और उसे... सो अब्राहम ने जाके उस मेंढ़े को लिया, और अपने पुत्र के* स्थान *पर होमबलि करके चढ़ाया।*

और अब्राहम ने उस स्थान का नाम यहोवा यीरे रखा: इसके अनुसार आज तक भी कहा जाता है, कि यहोवा के पहाड़ पर उपाय किया जाएगा।

फिर यहोवा के दूत ने दूसरी बार स्वर्ग से अब्राहम को पुकार के कहा,

और कहा, यहोवा की यह वाणी है, कि मैं अपनी ही यह शपथ खाता हूं ... कि तू ने जो यह काम किया है कि अपने पुत्र, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा:

इस कारण मैं निश्चय तुझे आशीष दूंगा; और निश्चय मैं तेरे बीजो *को आकाश के तारागण के समान अनगिनित करूंगा, और समुद्र के तीर की बालू... के किनकों के समान, और तेरा बीज अपने* शत्रुओं *के नगरों का अधिकारी होगा;*

53 मैं उस अंतिम वाक्यांश को वहां एक विषय के लिए लेना चाहता हूं: *और तेरा बीज उसके शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।* यह एक—एक जबरदस्त प्रतिज्ञा है।

54 अब, हम सब इस कहानी से परिचित हैं, हो सकता है इसे फिर से बार–बार, बार–बार, समय–समय पर पढ़े, अब्राहम की कहानी को, और कैसे परमेश्वर ने उसे उसके देश से बाहर बुलाया, और कैसे वह एक साधारण सा मनुष्य था, कुछ भी विशेष नहीं। लेकिन परमेश्वर ने उसे बुलाया और उसे एक प्रतिज्ञा दी।

55 अब, मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें कि यह प्रतिज्ञा जो परमेश्वर ने अब्राहम से की, केवल अब्राहम के लिए ही नहीं थी, लेकिन यह उसके बाद के बीज के लिए थी। अब, बहुत से लोग कहते हैं, "ओह, यदि मैं अब्राहम की तरह होता, यदि मैं वहां होता जहां परमेश्वर ने मुझसे बात की होती थी और—और मुझे आश्वासन देता था जैसे उसने अब्राहम को दिया था, तब मेरे पास होता, मेरे—मेरे पास सचमुच में विश्वास होता, भाई ब्रंहम, यदि ऐसा मेरे पास होता था, यदि परमेश्वर मुझसे बात करता जैसे उसने अब्राहम से की थी।" लेकिन आपके पास वही प्रतिज्ञा है जो अब्राहम के पास थी, अर्थात, यदि आप अब्राहम के बीज हैं।

56 तब आप कहते हैं, "लेकिन, भाई ब्रंहम, मैं एक अन्यजाति हूं। मेरे पास अब्राहम का बीज नहीं हो सकता।"

57 अब्राहम का बीज स्वाभाविक बीज नहीं था। यह आत्मिक बीज था, क्योंकि उस का खतना कुछ भी नहीं था। वो प्रतिज्ञा, उसके यहाँ तक उसके खतने से पहले ही दे दिया। लेकिन यह उसे खतने से पहले दिया गया था, और ऐसा इसलिए नहीं था क्योंकि उसका खतना हुआ था और उस तरह से परमेश्वर के साथ वाचा में था। क्योंकि अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया।

58 और वचन ने कहा, कि, "जब हम मसीह में मर जाते हैं, तो हम अब्राहम के बीज बन जाते हैं।" पौलुस इसके बारे में बोलता है, "और जो यहूदी है वो बाहर से यहूदी नहीं है, लेकिन वो अंदर से यहूदी है।" इसलिए, यदि आप परमेश्वर के आत्मा से जन्मे हैं, "तुम अब्राहम के बीज हो, और प्रतिज्ञा के अनुसार अब्राहम के साथ संगी वारिस हो।" देखा? इसलिए हर एक प्रतिज्ञा जो परमेश्वर ने अब्राहम को दी वो आपकी है, क्योंकि आत्मिक रूप से आप अब्राहम के बीज हैं।

59 और यदि आप यहूदी लहू में जन्मे होते तो आप उससे कहीं अधिक यहूदी होते, और फिर—और फिर उस कलीसिया में एक रूढ़िवादी यहूदी होते, और इस बहुमूल्य पवित्र आत्मा और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करने वाले। देखा? आप एक यहूदी से अधिक है, क्योंकि आप एक यहूदी है जो स्वर्ग से एक प्रतिज्ञा से जन्मा है, जिसे परमेश्वर ने अब्राहम को दिया, और अब्राहम ने इसे विश्वास के द्वारा स्वीकार किया, और यही है जिसने उसे वो बनाया जो वो था। आखिरकार, एक यहूदी बस अलगाव है, और पार होकर, इब्रानी, और इसी तरह से इत्यादि।

60 अब, लेकिन जब आप अपने आप को संसार की चीजों से अलग कर लेते हैं, उस अलग करने वाली रेखा को पार कर लेते हैं, और एक अनजान देश में परदेशी होकर रह रहे हैं, एक ऐसे देश में जैसे कि आप आरंभ में वहां नहीं थे, ऐसे लोगों के साथ जिनके साथ आप आरंभ में कभी नहीं जुड़े, तब आप एक आत्मिक यहूदी बन जाते हैं। क्योंकि, उसी तरह से अब्राहम ने, विश्वास के द्वारा, अपने देश को छोड़ दिया, अपने लोगों को छोड़ कर, अजनबी लोगों के साथ एक अजनबी देश में चला गया, आपने अपने लोगों को छोड़ दिया है, संसार को पीछे छोड़ दिया, अपने संगी–साथियों को पीछे छोड़ दिया है, यीशु मसीह के लहू में से होते हुए पार हो गये, और आप परदेसी है, एक नगर की खोज में है, जिसका बनाने वाला और रचने

वाला परमेश्वर है, जैसे अब्राहम खोज में था। मुसाफिर, उसके साथ, तंबू में रहते हुए, कलीसियाये, स्वर्ग के राज्य के संगी नागरिक, यीशु मसीह में से होते हुए सारी चीजों के वारिस। समझे? हम पार हो गए हैं, अलग हुए हैं।

61 अब, अब्राहम, अब्राहम और उसके बाद उसके बीज के लिए प्रतिज्ञा की गई है। अब, परमेश्वर अब्राहम को यह प्रतिज्ञा देता है, उसके बीज को, अपने शत्रु के फाटक पर अधिकार करेगा, जब उसने अब्राहम की परीक्षा की, अब्राहम को परखा। अब, परीक्षा के आने के बाद, तब...

62 अब्राहम पहले ही परिवर्तित हो चुका था, हम इसे कहेंगे, पागानवाद से परमेश्वर के अंदर। और उसके बाद परमेश्वर ने उसे पवित्र आत्मा के चिन्ह के रूप में, खतना दिया था। फिर, खतने के बाद, उसके बाद परीक्षा का समय आता है।

63 यहां कलीसिया का एक बहुत ही सुंदर नमूना, कि, हमारे बचाए जाने के बाद, तब हमें प्रतिज्ञा किए हुए खतने की मोहर मिलती हैं, जो शरीर की नहीं है, लेकिन आत्मा की है। और पवित्र आत्मा हमारा खतना है। यह परमेश्वर का तेज चाकू है। यह अलग करता है और हममें से देह के अतिरिक्त मांस को काटता है, संसार के। परमेश्वर का वचन, दोधारी तलवार से भी तेज! इसलिए, आप देखिये, फिर से वापस आकर, परमेश्वर का वचन वो चीज है जिसे पवित्र आत्मा उपयोग करता है; ना ही संस्थाओ को, ना ही संप्रदायों को। लेकिन वचन ही है जो हमें संसार की चीजों से अलग करता है। यह हमारे विचारों और चीजों को काट देता है, और हमें पूरी तरह से परमेश्वर के लिए समर्पित करता है।

64 यीशु ने कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में।" वहां आप है। तब, यह आपका वचन नहीं है। यह उसका वचन है। तब, आप देखते हैं, "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में, तुम जो चाहो मांग सकते हो।" उह–हुंह। समझे? यह क्या है, आप अपना खुद का शब्द नहीं बोल रहे हैं। आप उसका वचन बोल रहे हैं।

65 तो फिर पवित्र आत्मा ही वो एक है जो परमेश्वर के वचन को लेता है और हमें संसार की इन चीजों से अलग करता है, देखो, खतना करना, काटना। तब आप परीक्षा के समय में से होकर जाते हैं।

66 अब, अब्राहम, बाहर बुलाए जाने के बाद, कसदियों के देश में, ऊर के

नगर में, वह एक मुसाफिर बन गया, एक परदेसी। और फिर परमेश्वर ने उसे बुलाया, उसके साबित होने के बाद कि वह आगे बढ़कर और परमेश्वर को उसके वचन पर लेने जा रहा था। तब, परमेश्वर ने तब क्या किया, उसे एक चिन्ह दिया था, कि उसने उसे स्वीकार कर लिया था, और उसने उसका खतना किया था। और उसने इश्माएल और उसके सारे घराने का खतना किया।

67 और अब आप देखते हैं, जब—जब आपको बाहर बुलाया जाता है, पहले आप एक परीक्षा में से होकर जाते है, यह देखने के लिए कि क्या आप वास्तव में आगे बढेंगे। और उसके बाद परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा देता है, जो कि यह चिन्ह है कि उसने आपके विश्वास को स्वीकार कर लिया है, जो आप उसमें होने का दावा करते हैं। अब आप मुझे समझ रहे है? वह इसे स्वीकार करने जा रहा है।

68 अब, मैं बोल रहा था... हो सकता है कुछ बहुमूल्य बैपटिस्ट भाई लोग यहां बैठे हुए हों। और हर कोई जानता है कि मैं एक बैपटिस्ट कलीसिया से बाहर आया हूं। मैं अपने बैपटिस्ट भाई से बात कर रहा था। और उसने मुझसे कहा, "भाई ब्रंहम?" वह एक दिव्यता का डॉक्टर था, एक भला मनुष्य, सच्चा मसीही। उसने कहा, "लेकिन, भाई ब्रंहम, आपको पवित्र आत्मा का वो बपतिस्मा कहाँ से मिलता है जो मसीह यीशु में विश्वास से भिन्न होता है?"

मैंने कहा, "यह भिन्न बात है, मेरे बहुमूल्य भाई।"

69 उसने कहा, "क्या आप नहीं सोचते कि जब आप मसीह को ग्रहण करते हो, तो आप पवित्र आत्मा को ग्रहण करते हो?"

70 मैंने कहा, "सही बात है। लेकिन," मैंने कहा, "आप देखो, आप केवल यह दावा कर रहे हो कि आपने मसीह को पा लिया है, जब तक वह इसकी पहचान नहीं देता।"

71 उसने कहा, "भाई ब्रंहम, अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया।"

72 मैंने कहा, "हां। लेकिन परमेश्वर ने उसे एक चिन्ह दिया, कि उसने अपने विश्वास को पा लिया था, जब उसने उसे खतने की मोहर दी, कि उसने उसके विश्वास को पहचान लिया था।" आमीन।

73 अब, जब हम मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करते हैं, तब, यदि हम उसमें सच्चे ठहरते हैं, तो परमेश्वर हमें एक चिन्ह देता है, कि उसने हमारे विश्वास को मसीह में स्वीकार किया है, हमें खतने की मोहर देने के द्वारा, जो कि पवित्र आत्मा है। यही वो खतने की मोहर है। "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिसके द्वारा तुम अपने छुटकारे के दिन तक मोहरबंद हो।" ना ही अगली सभा तक के लिए; लेकिन तुम्हारे छुटकारे के दिन तक। यह सही बात है, इफिसियों 4:30। अब, इसी तरह से हम पवित्र आत्मा को ग्रहण करते हैं।

74 अब, यदि आप कहते हैं, "ओह, मैं एक विश्वासी हूं," और परमेश्वर ने आपको अभी तक कभी भी पवित्र आत्मा नहीं दिया है, उसने इसे कभी भी पहचान नहीं दी है। आप बस यह स्वीकार कर रहे हैं कि आप विश्वास करते हैं। लेकिन जब सारा संदेह... मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आप अब एक विश्वासी नहीं हैं। एक निश्चित भाग में, आप एक विश्वासी हैं।

75 लेकिन जब परमेश्वर ने अनुग्रह पाया, मेरा मतलब आपने उससे अनुग्रह को पाया, और वह आपको उसकी संतान होने के लिए पहचान देता है, और वह आपके ह्रदय को जानता है, और वह आपकी ईमानदारी को देखता है, वह जानता है कि सारी चीजें आपसे कट कर दूर हो चुकी है। तब वह आपको पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर के राज्य में मोहर करता है, संसार को साबित करते हुए कि आप उसमें जो विश्वास होने का दावा करते हैं, उसने उसे स्वीकार कर लिया है। अब इसे समझे?

76 अब, इसके तुरंत बाद ही, परीक्षा आती है। "हर एक पुत्र जो परमेश्वर के पास आता है, उसे अवश्य ही पहले ताड़ना दी जानी है, परखा जाना है।"

77 यीशु, जैसे ही उसने नदी पर आत्मा की परिपूर्णता को पाया, जब यूहन्ना ने उसे बपतिस्मा दिया, तुरंत ही शैतान उसे जंगल के अंदर ले गया, कि परीक्षा के समय में से होकर जाए। लेकिन जब उसने परमेश्वर के वचन को लिया और शैतान पर जय पायी, "ऐसा लिखा है। ऐसा लिखा है," वह वापस बाहर आया उसके बाद अपनी सेवकाई के लिए तैयार था।

78 और इसी तरह से परमेश्वर ने अब्राहम के साथ किया। अब, परमेश्वर ने, उसे उसके देश से बाहर बुलाने के बाद, और उसने अपने आप को उसके देश से, उसके लोगों से अलग कर लिया, और फिर परमेश्वर उसे

खतने की मोहर देता है, फिर उसे पुत्र देता है। तब वह उस अंतिम परीक्षा में चला गया, ठीक उस समय तक जब उसे अपने ही पुत्र इसहाक को बलिदान के लिए चढ़ाना था। और उसने कहा, "यह देखते हुए कि तूने अपने इकलौते पुत्र को नहीं छोड़ा, मैं जानता हूं कि तू मुझसे प्रेम करता है।" उसने उसे वह परीक्षा दी।

79 तब उसके तुरंत बाद ही, लड़ाई तब जीती गई थी, उसने कहा, "और तेरा बीज अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" आमीन। मैं इसे पसंद करता हूं। "वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" हम कुछ ही क्षणों में उस अंतिम मुख्य बात पर पहुंचेंगे, प्रभु ने चाहा तो। अब उसने इसे पाया, अब्राहम विश्वासयोग्य था। जब उसने अब्राहम को विश्वासयोग्य पाया, तब उसने उसे शत्रु के फाटक पर अधिकार करने की प्रतिज्ञा दी।

80 अब वहां, बहुत सी बार, जहां हम में से बहुत से पेंटीकोस्टल लोगों ने गलती की है, और सोचते हैं, "तो ठीक है, पवित्र आत्मा मुझ पर उंडेला गया है। परमेश्वर की महिमा हो! बस यही सब है जो मेरे पास होना है।" नहीं, श्रीमान। आपने तो बस तब आरंभ ही किया हैं। आप, यह तब नहीं होता है। यह आपका परखना है और आपकी परीक्षा है।

81 ठीक जैसे हम वो—वो—वो पुराने नियम में—में पाते हैं; परखा जाना, परीक्षा से जाना, और फिर पुत्र को स्थान पर रखना। लेपालकपन, पुत्र को स्थान पर रखना जब कि वो पहले से ही पुत्र है, परिवार में जन्म लिया है। वह एक पुत्र है, तब उसे परखा जाएगा और परीक्षा ली जाएगी, और शिक्षकों के द्वारा ऊपर लाया जाएगा, और देखें कि वह किस तरह बाहर आता है। और उसके बाद स्थान पर रखा जाता है, लगभग अपने पिता की बराबर की स्थिति में होता है।

82 अब आज ऐसा ही है। हमारे पास पेंटीकोस्ट के लगभग चालीस परीक्षा के वर्ष थे, या उससे अधिक, देखो, कलीसिया को परखते हुए, देखते हुए कि क्या वे परीक्षा में खड़े होंगे, या नहीं। देखते हुए कि आप क्या... और, देखो, यही है जहां मैं इस पर फिर से पहुँचता हूं। बजाये इसके कि क्रूस को और वचन को थामे रहे, और आगे बढ़ते रहे, हम संसार के फैशन के अनुसार बन जाते है, *इस* तरफ से गिराते है, या *इसे* एक तरफ गिराते है, या *इसके* अनुसार नमूने को बनाते है।

83 जैसा कि मैंने हमेशा ही आज इस आधुनिक चलन में लोगों के विरुद्ध

बहुत ही कठोरता से बात की है, स्त्रियां अपने बालों को काटती हैं, और—और वे पुरुष करने देते है और हर एक चीज, और बस अनैतिक कपड़े और आदि–आदि पहनते हैं। मुझे इस बात पर बहुत अधिक आलोचना मिलती है। लेकिन यह क्या है? यह उस कलीसिया को बचाने की कोशिश करना है। यह उन्हें *यहां* ऊपर लाने का यत्न करना है, परमेश्वर के वचन की ओर, इस बात पर ध्यान दिए बिना कि दूसरा संसार इसके बारे में क्या कहता है। परमेश्वर के वचन के साथ बने रहे। आमीन। देखा? समझे?

84 बात ऐसी है, जैसे कि मैं कल रात कह रहा था, पेंटीकोस्टल एक तेज सनसनाती आंधी की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन वे उस छोटी सी आवाज को सुनने में असफल रहे है। समझे? कि, उन चीजों को करना गलत है। वे सोचते हैं, "जब तक आंधी चल रही है, ठीक है।"

85 लेकिन इसने भविष्यवक्ता के ध्यान को आकर्षित नहीं किया। तेज आंधी ने एलिय्याह भविष्यवक्ता को गुफा में कभी परेशान नहीं किया। तेज गर्जनाये और बिजलियां, और नीचे गिर रही थी, इसने उसे कभी भी बिल्कुल आकर्षित नहीं किया। लेकिन जिस बात ने उसे चौंका दिया, वो छोटी धीमी आवाज थी, जो कुछ तो भीतर बोल रही थी। "मेरा वचन सत्य है। हर एक मनुष्य का वचन झूठा ठहरे, और मेरा वचन सच्चा ठहरे।" यही है जिसने भविष्यवक्ता को आकर्षित किया। देखा?

86 और यह अब भी करेगा। परमेश्वर का वचन हमेशा ही आत्मिक मन को आकर्षित करता है, क्योंकि यह आप में मसीह का मन है, जो जानता है कि वचन सत्य है।

87 और आप परीक्षा के समय में से होकर जाते हैं। कलीसिया एक परीक्षा के समय में से होकर जाती है। हर एक व्यक्ति परीक्षा के समय से होकर जाता है, इससे पहले कि वह कभी शत्रु के फाटक पर अधिकार कर सके। अब्राहम इसमें से होकर गया। मसीह इसमें से होकर निकला। मसीह के पवित्र आत्मा से भर जाने के बाद, वहां यरदन नदी पर, वह एक परीक्षा के समय में से होकर गुजरा। अब्राहम को बुलाए जाने के बाद, उसे उसके देश में रखा गया जहां उसे एक परदेसी होकर रहना था, फिर उसका खतना करता है, और परमेश्वर ने उससे समय–समय पर भेंट की, फिर भी उसे परीक्षा के समय में से होकर जाना था। अब्राहम का हर एक बीज उसी काम को करता है, अब्राहम और उसका बीज।

88 एक संस्था, एक कलीसिया, यही कारण है कि हम पाते हैं कि हमारे संगठन रास्ते के किनारे गिर रहे हैं, क्योंकि ऐसा होता है जब यह परीक्षा में आते है। कौन सी परीक्षा? परमेश्वर का वचन। वहां परीक्षा है। परमेश्वर का वचन परीक्षा है। क्या हम वही करेंगे जो मनुष्यों का झुंड कहता है, या हम वही करेंगे जो परमेश्वर करने को कहता है? यही वो फर्क है।

89 वहां यह आता है, ड्वाइट मूडी के दिन, फिन्नी, सेंकी, नॉक्स, केल्विन, स्पर्जन के दिन, वे सारे बाकी के लोग, वे आत्मिक पुरुष, संगठनाए उनके पीछे–पीछे चली। उन्होंने वहां कुछ लोगों का झुंड खड़ा कर दिया, जो इसमें उनके रास्ते को काट रहे हैं, हर एक जन *इसमें* विश्वास करता है और *उसमें*, और *यहां* थोड़ा सा जोड़ते है, और *वहां* थोड़ा सा निकालते है, और *यहां* थोड़ा सा जोड़ते है, इतना तक कि अंत में उन्होंने इसमें से एक संगठन को बना दिया।

90 और जब वे ऐसा करते हैं, वो वास्तविक सच्चा विश्वासी, परमेश्वर ठीक वहां पर आकर और किसी छोटे, नम्र व्यक्ति को उठाता है, उस चीज को टुकड़े–टुकड़े कर देता है। सही है। हमेशा ही ऐसा किया है। परमेश्वर नहीं बदलता। बस उस चीज को टुकड़े–टुकड़े कर देता है, कुछ आत्मिक सोच वाले लोग जो ठीक उस वचन के साथ बने रहेंगे।

91 मैं आपको बता दूं। मेरे पास घर पर एक पत्र है, एक बेहतरीन कलीसिया का, जो पेंटीकोस्टल के अभियान में बड़ा संगठन है। उस बेचारी टूटे ह्रदय वाली महिला ने मुझे एक पत्र लिखा। और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मैं लंबे बाल डाले हुए थी और मेरे सिर के पीछे एक जुड़ा बांधा था।" उसने कहा, "और... मेरे पति को यह पसंद आया।" और उसने कहा, "हम उस शहर से चले गए थे जहां पर हमारी एक कलीसिया थी जो वास्तव में आत्मिक थी, हम इस बड़ी कलीसिया में गये, जो शहर की पहली कलीसिया थी।" और कहा, "जब हम वहां पहुंचे, वहां सभी पेंटीकोस्टल बहनों ने अपने बाल काट दिए थे।" और कहा, "उन्होंने इस विषय में मेरे पीछे पड़ गये। मैंने कहा, 'नहीं, नहीं। मैं विश्वास करती हूं कि बाईबल हमारे लिए कहती है कि हमें ऐसा नही करना है; ऐसा करना अपमानजनक बात है।'" और सो उसने तब कहा, "और वे कहते रहे... " वे उस पर हंसते, कहते, "हे, तुम्हारा—तुम्हारा टायर पीछे की ओर सपाट जा रहा है, तुम्हारा अतिरिक्त टायर,' और इसी तरह से सब कहते। और मेरे पति के इस तरह से पीछे

पड़ गये, इतना तक उसने मुझे मेरे बाल काटने के लिए मजबूर किया।" और कहा, "मैं तब से लेकर दोषी समझती हूं।"

92 इस पर सोचे, एक पेंटीकोस्टल कलीसिया जिसे परमेश्वर के वचन के लिए खड़ा होना चाहिए! यही है जहां पर आपका संगठन आपको ले जाता है। सही है। वे वचन की उस छोटी धीमी आवाज को सुनने से चूक जाते हैं, जो उन्हें सच्चाई की ओर बुलाती है। वे सारे तेज सनसनाती आंधी के लिए सुन रहे है, और बहुत चिल्लाते है और नाचते है, कहते है कि उनके पास सामर्थ है। यह ठीक बात है। मैं भी इसमें विश्वास करता हूं। लेकिन, भाई, जब आप नाच सकते हैं और चिल्ला सकते हैं, और उसके बाद पलट कर और परमेश्वर के वचन का इन्कार करते हैं, और संसार की तरह जीते हैं, वहां कहीं पर कुछ तो गड़बड़ है। सही है।

93 परमेश्वर का आत्मा नीचे आता है, जो अब भी छोटी धीमी आवाज है, और आपको सीधे कलवरी की ओर निर्देशित करती है, जहां हम मर जाते हैं, और हमारा जीवन मसीह में से होते हुए परमेश्वर में छिपा हुआ है, और पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबंद है। तब, केवल वो वचन ही वहां पर रहता है। "फिर यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में, जो चाहो मांगो और यह तुम्हें दिया जाएगा।" वहां अंतर है।

94 मैं आशा करता हूं कि मैं आपको एक कट्टरपंथी के रूप में नहीं दिखाई देता हूं। यदि मैं हूं, तो मैं—मैं—मैं इस बात से अज्ञान हूं। मैं—मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर का वचन सत्य है, और इसे ठीक यहां पर बने रहना है। और यदि यह यहां बना रहता है, तो यह अपने आप को बाहरी रूप से दिखाएगा। इसे दिखाना ही है! आपका जीवन, आपका सारा रूप का बदलाव, भिन्न होगा।

95 इसलिए जब परमेश्वर ने अब्राहम को परीक्षा दी, वह सौ प्रतिशत इसमें से होकर आया। और होगा...

96 परमेश्वर एक संगठन की परीक्षा नहीं कर सकता है, क्योंकि यह पूरी तरह से उलझे हुए है। परमेश्वर संगठन के साथ उस तरह से व्यवहार नहीं करता है। वह अन्यजाति जाति के राष्ट्रों के साथ व्यवहार नहीं करता है। "उसने अन्यजातियों में से लोगों को निकाला।" इस्राएल, उसने एक राष्ट्र को लिया। परंतु अन्यजातियों में से, "उसने अपने नाम के निमित्त अन्यजातियों में से लोगों को निकाला।" तो, आप देखते हैं, यह एक ना ही

संप्र–... यह एक संगठन नहीं है। यह एक व्यक्तिगत है जिसे वह अन्यजातियों में से निकालता है।

97 और जब परीक्षा आती है, आप देखते हैं कि क्या होता है? हम धर्मीकरण के लिए बाहर आए। हमने पेंटीकोस्टल के अभियान में पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया था। लेकिन जब यह परीक्षा के समय की बात आती है, तो चमकाए हुए विद्वानों को लेते है, संसार के समान बनना चाहते है, बिल्कुल वैसे ही जैसे वेस्ली के अभियान के दिनों में था और उन बाकी के सारे के दिनों में। वे विद्यालय जाते हैं। वे—वे विज्ञान को सीखते हैं। और वे इस तरह की सारी दूसरे प्रकार की चीजें सीखते हैं जो शिक्षा के साथ–साथ चलती है। और वे मनोविज्ञान को सीखने की कोशिश करते है। "बस सबसे अच्छी बात, तो ठीक है, *ऐसा* मत कहो। उन्हें *यह* और *वह* करने दो। क्योंकि ऐसा होगा... " देखो, आप एकत्र होकर और निर्माण कर रहे हैं। आपका—आपका—आपका उद्देश्य गलत है। आपका लक्ष्य गलत है। आप कलवरी को निर्माण करने के बजाय एक संगठन को निर्माण कर रहे हैं। आप वचन के मार्ग से आये बिना कलवरी को कैसे निर्माण कर सकते हैं?

98 "क्योंकि हम वचन के जल से धोए गए हैं।" "तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में, फिर तुम जो चाहो मांगो।"

99 यही है जहां हम पेंटीकोस्टल अभियान की हार को देखते हैं, क्योंकि वे वचन से दूर हो जाते हैं। वचन एक बात को कहेगा; वे यह प्रयास करेंगे कि वह संगठन कहीं न कहीं बीच में लेकर आये। और वे सीधे उस वचन से दूर चले जाएंगे, और उसे सीधे संगठन में ले जायेंगे। और आप देखते हैं कि यह कहां चला गया है? यह लगभग बाकी की कलीसियाओ के समान ही है। लेकिन फिर हम नाचते है और चिल्लाते हैं, और अन्य जुबान में बोलते हैं, और ऊपर–नीचे कूदते हैं, वे सब ठीक है। उनका संगठन ठीक है। मैं आशा करता हूं कि मैंने अपने आप को स्पष्ट किया है। लेकिन बात ऐसी है, वो वचन की छोटी धीमी आवाज बोल रही है। ऐसा ही है।

100 आप एक परीक्षा में से होकर जाते हैं। परमेश्वर आपकी परीक्षा लेता है जैसे उसने अब्राहम की परीक्षा की। वह अब्राहम के बीज की परीक्षा लेता है, उसके बाद। और अब, जिस कारण से हम शत्रु के फाटक पर अधिकार नहीं करते हैं, इसका कारण हमारे बीच बहुत कुछ है, ये इसलिए है क्योंकि

हम परीक्षा में खड़े नहीं हो पाते है। और मैं आपको कुछ तो बताऊंगा, वचन की परीक्षा सही है।

101 वो कारण जो हमारे पास नहीं है, और हमारे पास कभी भी नहीं होगा... संगठन में। मैं सोचता हूं कि पेंटीकोस्ट के पास कुछ अच्छा संगठन है। कुछ सबसे अच्छे मनुष्य जो मैं... रखता... धरती के ऊपर रहते है, जो उन—उन संगठन से संबंध रखते है।

102 असेंबली ऑफ गॉड, वहां पर मेरे मित्र हैं। ओह! एक भाई ठीक वहां इंडियाना में है, मैं एक सभा को करने जा रहा हूं, मैं विश्वास करता हूं, ठीक उसी समय। भाई रॉय वीड, वे इंडियाना राज्य के एक जिलाधीश हैं। मैं विश्वास करता हूं कि यह एक धर्मी मनुष्य होगा। फिर भी, वह असेंबली ऑफ गॉड का एक जिलाधीश है।

103 फोरस्क्रेयर, ओह, प्रभु, कितने है! राल्फ मैकफर्सन और उनमें से बहुत से भाई लोग, जो धर्मी पुरुष हैं, उनके जीवन के विषय में कुछ भी नहीं है। वे भले मनुष्य हैं।

104 उस वननेस में, जिसे वे खुद को, वननेस कहकर बुलाते हैं। या, अब, मैं नहीं सोचता... वे इसे यीशु के नाम की कलीसिया कहकर बुलाते हैं। जैक मूर, बस उनमें से एक के लिए बता रहा हूं... उनमें से सैकड़ों जन हैं, भले लोग, अच्छे लोग, धर्मी पुरुष।

105 लेकिन बात यह है, भाई, ऐसी है, जब आप उस संगठन से जुड़े होते हैं। देखा? परमेश्वर उन संगठनों को लेता है, और—और वे हर एक गिरे हुए हैं। उनकी ओर देखो, संसारिकता रेंगकर अंदर जा रही है। उनकी महिलाओं की ओर देखो। उनके पुरुषो की ओर देखो। उनकी परिस्थितियों की ओर देखो। मैं आपको दिखा सकता हूं, असेंबली ऑफ गॉड के लोग जिनके बोर्ड पर वे डिकन के पद पर हैं, जिसने दो या तीन बार विवाह किया है, प्रचारक उनके काम को जारी रखते हैं। स्त्रियां उनके बाल कटवाती है, छोटे कपड़े पहनती है, श्रृंगार करती है, और फिर भी पवित्र आत्मा होने का दावा कर रही है, अन्य जुबान में बोलने के प्रमाण पर निर्भर रहते है, या ऊपर–नीचे कूदते है, या चिल्लाते है।

106 वे उस वचन की छोटी धीमी आवाज से चूक जाते हैं। वह वचन आपको क्रूस की ओर संतुलित बनाये रखता है। यही है जहां यह पड़ा है। इसलिए हमारे पास आज कलीसिया में अगबुस के जैसे सच्चे भविष्यवक्ता नहीं है।

107 इसीलिए, आज कलीसिया, वे—वे मुश्किल से अन्य भाषा में बोलने को सम्मान देते हैं, जब कोई बोलता है, क्योंकि उन्होंने बहुत अधिक नकली और बेहूदा चीजे सुनी है, इतना तक कि वे जान भी नहीं पाते कि इसमें कौन सही है और कौन गलत है।

108 अनुवाद जो केवल झांसा है, कोई तो बस कुछ कह देता है क्योंकि वह नेतृत्व को महसूस करता है। यह कोई अनुवाद नहीं है। अनुवाद; ऐसा नहीं कि कोई खड़ा होता है और अन्य जुबान में बोलता है, कोई दूसरा कुछ मिनटों में उठकर और जो उसने कहा उसका अनुवाद करता है। जब एक बोल रहा होता है, तो दूसरा ठीक उसी समय वहां पर अनुवाद कर रहा होता है, शब्द दर शब्द कह रहा होता है, वही भाव के साथ, हर एक चीज एक सी होती है। *यह* मनुष्य हो सकता है भविष्यवाणी कर रहा हो, लेकिन यह अनुवाद नहीं है। उनमें से कुछ, *इस* प्रकार की आवाज कुछ तो दे रही होती है, यहाँ *यह* पीछे कुछ और ही बता रही है। और कुछ दस शब्द कहते हैं, दूसरा इसके पीछे अनुवाद के लिए पचास शब्द बोल देता है।

109 *अनुवाद* का अर्थ होता है "शब्द–दर–शब्द कहना।" यदि यह परमेश्वर का वचन है, तो इसे आना ही है, शब्द दर शब्द; पंक्ति दर पंक्ति, पंक्ति दर पंक्ति। इसी प्रकार से वचन को आना है।

110 लेकिन हमने क्या देखा है? बहुत ही अधिक बनावटी! और उन्होंने ऐसा क्रम में किया, बजाये इसके कि वचन के साथ बने रहे, उन्होंने इसे वहां पर रखा। जैसे ही एक मनुष्य ने ऐसा किया, उन्होंने उसे पेंटीकोस्टल कहकर बुलाया। और आप जानते हैं कि क्या होता है।

111 जब परीक्षा आती है, परीक्षा का समय, तब बीज आरंभ करता है, यह दिखाता है कि कौन सा बीज है और कौन सा नहीं है। अब, इस बात की परवाह किए बिना कि किस बात ने जगह ली, अब्राहम वचन के साथ, उस प्रतिज्ञा के साथ बना रहा।

112 लेकिन आज संगठन ऐसा नहीं कर सकता। और आप में से कुछ बहुमूल्य भाई लोग जो उन संस्थाओं से संबंध रखते हैं, आप एक बार उनसे असहमत होते हैं, तो आप जानते हैं कि आप कहां चले जाते हैं। आप में से कितने जन जानते है?

113 मैं अब इस भवन में नहीं कहता, लेकिन कितने जो मेरे अध्ययन में रहे हैं, कितने मेरे साथ रहे हैं, कहे, "भाई ब्रंहम, हम जानते हैं कि यह सच्चाई

है। लेकिन यदि हमें यहाँ बाहर निकाल दिया जाता है, तो हम क्या करेंगे? ”

114 भाई, हम क्या करेंगे? कलवरी पर लटके रहे, प्रतिज्ञा को थामे रहे, क्रूस को थामे रहे, बिना परवाह किए।

115 और वहां पर, उनके पास कुछ बहुत ही भले लोग है। देखा? लेकिन मैं जो करने की कोशिश कर रहा हूं, कहने के लिए, वे इससे चूक जाते है। यह हमेशा ही असफल रहे है और हमेशा ही असफल रहेगे। लेकिन यह, चाहे आप असफल हो या नहीं, परमेश्वर के साथ, पहले परमेश्वर के वचन और उसकी प्रतिज्ञा का पालन करें। आपकी इसके द्वारा परीक्षा की जायेंगी।

116 आप पन्नो पर हस्ताक्षर करेंगे, कि आप *यह* करेंगे या *वह* करेंगे। यहां तक कि वचन के विरोध में हो, आप फिर भी इस पर हस्ताक्षर करेंगे। यह सही है। आपके ह्रदय में, आप जानते हैं कि यह गलत है। यही है वो छोटी धीमी आवाज बोल रही है, वो वचन। कोई आश्चर्य नहीं कि हम आगे नहीं बढ़ सकते, क्योंकि क्या कुछ हो गया है। आपने अपने आप को उस छोटी धीमी आवाज से अलग कर लिया। आप बहुत ही जल्दी भागने लगते हैं। परमेश्वर आपको बुला रहा था, लेकिन आप बहुत ही जल्दी से भाग जाते है, क्योंकि गर्जनाओ ने गड़गड़ाहट की है, बिजलियां चमकी, पहाड़ हिल गये।

117 इसने एलिय्याह को कभी नहीं हिलाया, वह भविष्यवक्ता। वो पहले उस आवाज को चाहता था। उसने कहा, “मैं ठीक यहां पर पड़ा रहूंगा।”

118 आज बहुत से लोगों ने चंगाई की सभाओं को आरंभ किया है, शारीरिक तुलना में, सब प्रकार की चीजे करते है, और सनसनी महसूस होना जो कभी भी परमेश्वर के वचन में दिखाई नहीं देती है। यह सही बात है। यह क्या है? हमें उस गीत को गाना चाहिए, “वे जो प्रभु के लिए रुके रहते हैं। मैं अपने घमंड को नम्र कर दूं और आपके नाम को पुकारूं। प्रभु, मैं रुका रहूं, जब तक मैं उस छोटी धीमी आवाज को नहीं सुनता।” और वह आवाज वचन के अनुसार आवाज होगी। यह ठीक वचन के साथ बोलेगी। आमीन। तो ठीक है।

119 यह पाया गया, अब्राहम को उसके बाहर बुलाए जाने के बाद, वो अपने प्रियजनों से अलग हो गया, अपने परिवार से, अपने घर से, अपने निकट कुटुम्बियों से, एक अपरिचित देश में था। विश्वास के द्वारा उसने ऐसा किया। तब, क्योंकि उसने ऐसा किया, परमेश्वर ने उसे खतना दिया, यह साबित

करने के लिए कि वह परमेश्वर का पुत्र था, कि उसने उस पर विश्वास किया क्योंकि वह प्रतिज्ञा पर विश्वास कर रहा था। फिर भी, वह नहीं कर सकता, उसने इसे स्वाभाविक रूप नहीं देखा, लेकिन उसने दावा किया, "जो कुछ भी परमेश्वर के वचन के विपरीत है वह झूठ था।" कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितना भी प्रमाण सामने आ जाए, यह फिर भी झूठ है।

120 मैं यह कहना पसंद नहीं करता हूं, लेकिन मुझे कहना ही है। देखो। और जब आप स्त्रियों को लेते हैं, तो मैं इसे एक बात के लिए कहूंगा, जो दिखाई देती है, देख सकते है, जो पवित्र आत्मा होने का दावा करती है, और इतनी सभ्य नहीं कि अपने बालों को बढ़ने के लिए छोड़ दे, कहीं तो कुछ गड़बड़ है। एक स्त्री जो एक ऐसे वस्त्र को पहनती है जो एक पुरुष से संबंधित होता है, और इसे पहनती है, जब कि बाईबल कहती है, "यह परमेश्वर के लिए—के लिए एक घृणित बात है, एक स्त्री के लिए ऐसे वस्त्र पहनना जो एक पुरुष से संबंधित है।" और फिर आप पवित्र आत्मा होने का दावा करती हैं और ऐसे चीजो को करती हैं?

121 मैंने उस दिन ओरेगॉन में इस पर बात की थी। वहां एक महिला ने मुझे एक बहुत बड़ा पत्र लिखा था। उसने कहा, "भाई ब्रंहम, आपके पास एक अद्भुत सेवकाई है, लेकिन आप निश्चित रूप से इसे नष्ट कर रहे हैं।" उसने कहा, "अब, इस विषय में क्या है... " कहा, "मैं हर समय पूरी तरह से ढकी हुई पोशाक को पहनती हूं।" कहा, "वहां बाहर बगीचे में कुछ बगीचे को चुनने या देखभाल करने के विषय में क्या है और एक पोशाक पहने होता है। क्या आपको नहीं लगता कि यह ढकी हुई पोशाक पहनने से ज्यादा बेहतर दिखाई देती है, जितना कि यह होगी, या मोटी जींस पेन्ट, यह जो भी है, बजाये इसके कि पूरी तरह ढकी हुई पोशाक पहने हो? " और कहा, "देखो, मैं लड़कों के साथ पहाड़ों पर जाती हूं, जब वे पशुओं को चराने जाते हैं, और," कहा, "मैं मच्छरों से प्रभावित क्षेत्र में जाती हूं।" कहा, "अब, कोई—कोई कपडे पहने हुए होती हूं, वे मुझे काट खाएंगे। जींस पेन्ट की पोशाक पहने होती हूं वे मुझे परेशान नहीं करते।"

122 मैंने कहा, "यह बचे हुए चिकन में से बने सूप से भी पतला है, जो भूखा मर रहा है। दया करे! इसमें इसके विषय में परमेश्वर का एक भी वचन नहीं है। यह आपका अपना विचार है।"

123 परमेश्वर ने कहा, "हर एक शब्द झूठा ठहरे, और उसका वचन सच्चा

हो।" मेरी पत्नी अच्छे वस्त्र को पहनती है। वह बगीचे में चुनने जाती है। उसे इसके बारे में कोई परेशानी नहीं होती है। और, जो भी है, एक महिला का वहां पर पुरुषों के झुंड के साथ कोई काम नहीं होता है, जो भी हो, जो गाय–पशु को चराते है। उसे तो रसोई घर में होना चाहिए जहां पर उसका काम है। यह सही है।

124 वे तो बस एक बहाना ढूंढने की कोशिश करते हैं, लेकिन वहां कोई बहाना नहीं है। परमेश्वर का वचन स्पष्ट है, और एक स्त्री जो परमेश्वर के आत्मा से जन्मी है... और एक पुरुष जो परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है, वह अपनी पत्नी को इस प्रकार की प्रतिक्रिया को नहीं करने देगा। उसने क्या कहा? "वह जो अपने बाल को काटती है, अपने सिर का अपमान करती है।" और उसका पति उसका सिर है। वह अपमानजनक है।

125 अच्छा होगा कि मैं चुप रहूं। तो ठीक है। अब, देखो, देखो, इतना काफी है। आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं।

126 मैं इसे द्वेष में आकर नहीं कहता हूं। यदि मैं इसे द्वेष में आकर कहता हूं, तो परमेश्वर मेरे पापी हृदय पर दया करे; मुझे यहां इस वेदी पर आने दो, पश्चाताप करने दो।

127 मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि, मित्रों, मैं आपसे प्रेम करता हूं। और मैं आपको बताने की कोशिश कर रहा हूं कि सच्चाई क्या है, और यही परमेश्वर का वचन है। हमें परमेश्वर की उस छोटी सी धीमी आवाज को सुनना होगा, ताकि वचन से नाप सके। हम परीक्षा के समय में से होकर जा रहे हैं। हाल्लेलुय्या!

128 क्या आपने एहसास किया कि परीक्षा का समय आने के बाद, उस पुत्र की शिक्षा जो एक सांप्रदायिक परिवार के अंदर जन्मा था? यदि वह परीक्षा में खडा रहता है और पिता की इच्छा के साथ बना रहता है, तब उस लड़के को बाहर निकालकर और उसे एक वस्त्र पहना दिया गया, और फिर वहां एक समारोह को रखा गया। और उस लड़के को तब उस परिवार में स्थान में रखा गया जिसमें वह जन्मा था।

129 यही मामला आज हमारे पेंटीकोस्टल के साथ है। वे बस *यहां* और *वहां* कूदते रहते हैं, और हमारे संगठनाए उन्हें *इस* तरफ खींचेंगे और *उस* तरफ से खींचेंगे। वे वचन के साथ बने नहीं रहते हैं।

130 यदि आप वचन के साथ बने रहेंगे, तो परमेश्वर, देखते हुए, "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में बना रहे," उसका, वह इसका इन्कार नहीं कर सकता, यह उसका वचन है। तब वहां एक समय आएगा, कभी तो, जब आपको बाहर निकाला जाएगा और एक तरफ रखा जाएगा, और कुछ ऐसा दिया जाएगा जो वास्तविक होता है, हाल्लेलुय्या, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ।

131 जो, परमेश्वर अपने बच्चों के लिए रुका हुआ है, लेकिन वे बस पंक्ति में नहीं होंते, जब वे उस परीक्षा के समय पर आते हैं। क्या आप इसे स्वीकार करेंगे? "तो ठीक है, कलीसिया मुझे बाहर कर देगी।" तो ठीक है। आप वहां है। तब, जाये। यह अब्राहम का बीज नहीं है। अब्राहम का बीज इस तरह की प्रतिक्रिया नहीं करता है।

132 अब्राहम का बीज! अब, मैं परवाह नहीं करता कि अब्राहम के विपरीत क्या आता है, वह ठीक उस प्रतिज्ञा के वचन के साथ बना रहा, बस ठीक इसके साथ बना रहा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि सारा कैसे आती है, दूसरे कैसे आते हैं, भिन्न जन कैसे आते हैं, हर एक चीज, उसने इसे ऐसे गिना जैसे कि यह था ही नहीं। उसने देखा, उसने विश्वास किया कि वह प्रतिज्ञा को देख सकता है, क्योंकि परमेश्वर ने उससे इसकी प्रतिज्ञा की थी, और इसके लिए यही सब कुछ था। यह परमेश्वर का वचन था, ठीक उसमें बना रहा।

133 तब वह उसे अंतिम परीक्षा देता है। "मैं उसे दुगने भाग को दूंगा, और उसे परखूंगा।" अब, उसके पास पहले से ही पुत्र है। वह देखता है कि उसे यह मिल गया है। "लेकिन अब मैं उसे बताऊंगा, 'उस पुत्र को ऊपर ले जाकर और उसे मार डाल।' और वह पुत्र, जब वह देखता है... क्या वह उस पुत्र को मार डालेगा? मैं अब उसे परखूंगा।"

134 अब्राहम, वचन के प्रति सच्चा! किस तरह से, जब आप प्रतिज्ञा को पाते हैं, तो आप कैसे उस चीज को रोकेंगे?

135 "तुम कैसे—कैसे करोगे—कैसे भला तुम कभी राष्ट्रों के पिता होने की अपेक्षा करने जा रहे हो, और यहां अब तुम एक सौ पंद्रह वर्ष के हो गये हो?" छोटा सा इसहाक, जो लगभग चौदह, पंद्रह वर्ष का था। "तुम कैसे राष्ट्रों के पिता बनने जा रहे हो, जब कि तुम एक सौ पंद्रह वर्ष के हो गये हो, यहाँ तुम्हारा इकलौता बालक है, और तुम अपने एकमात्र प्रमाण को

नष्ट कर रहे हो जो तुम्हारे पास है? " आमीन।

136 "मैं भला इसे कैसे कर पाऊंगा यदि मैं अपने संगठन से बाहर निकाल दिया जाता हूं? यदि मैं ऐसा करता हूं तो मैं *इसे* कैसे करूंगा? " ओह, उस छोटी धीमी आवाज को सुने और वचन पर आ जाये, वो वचन।

137 आप कहते हैं, "मैंने एक आवाज को सुना जो मुझे *ऐसा* बताती है।" यदि यह वचन के विपरीत है, तो यह परमेश्वर की आवाज नहीं थी। परमेश्वर की आवाज वचन पर आती है।

138 तब अब्राहम सीधे वहां आवाज की ओर चलकर गया, और परमेश्वर की छोटी, धीमी आवाज, परमेश्वर के वचन के ओर, उसे अवश्य ही अपने ही पुत्र के जीवन को लेना है।

139 उसने कहा, "अपने हाथ को रोक, अब्राहम। मैं जानता हूं कि अब तू मुझसे प्रेम करता हैं। और वे सारे जो तेरे बाद है, हाल्लेलुय्या, वे सारे जो तेरे बाद आते हैं, जो मेरे वचन को लेने की इच्छा रखते हैं, यह तुम्हारा बीज होगा, और वहां पर वो शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।"

140 काश मेरे पास समय होता कि मैं आपको कुछ बता पाता जो कुछ दिन पहले घटित हुआ, देखो, कि क्या बात ने जगह ली। ओह, प्रभु!

141 "शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा; तेरा बीज तेरे बाद। अब्राहम, जो तुझे आशीष देता है, वह आशीषित होगा, और जो तुझे शाप देता है, वह शापित होगा।" यीशु ने कहा, "यह अच्छा है कि चक्की का पाट तुम्हारे गले में लटकाया जाए, और समुद्र की गहराई में डूबा दिया जाए।"

142 और ये संगठन जो उन धर्मी पुरुषों को बदल देते हैं, क्योंकि वे सत्य, वचन, और आत्मा और परमेश्वर की सामर्थ के लिए खड़े हुए है, और वचन के साथ बने रहे, आप देखो क्या हुआ? आप भुल जाने वाले समुद्र में डूबे हुए हैं।

143 "बेहतर होगा कि चक्की का पाट तुम्हारे गले में लटकाया जाता है, और समुद्र की गहराई में डूबा दिया जाता, कि इन अभिषिक्त जनों में से छोटे से छोटे को भी ठेस पहुंचाते हो।" वे क्या हैं? अब्राहम का बीज जो प्रतिज्ञा के वचन के साथ बना रहता है।

144 हमारी कुछ कलीसियाये उस स्थान पर आ रही है, कि वे इन्कार करते है, वे दिव्य चंगाई को इंकार करते हैं, वे अब और इसे अपनी कलीसिया

में नहीं चाहते हैं। यह सही बात है। हमारे पेंटीकोस्टल संगठनाए अब और दिव्य चंगाई को नहीं चाहती हैं। यह क्या है? क्या आप नहीं देखते कि शैतान ने किस तरह से कार्य किया है? उसने वहां पर आकर और इस तरह से कुछ झूठी या बनावटी बातों को कहा। और बस बुद्धिमान मनुष्य सोचते हैं कि वे आत्मिक हैं, और उस की ओर देखते हैं, और कहते हैं, "*उस* एक की ओर देखो। *उस* एक की ओर देखो।" मैं इसे नहीं देखता हूं।

145 यदि आप अब्राहम के बीज हैं, तो आप परमेश्वर की प्रतिज्ञा को देखेंगे, इस विषय में परमेश्वर ने क्या करने के लिए कहा। ऐसा ही है। अब्राहम का बीज, हम एक प्रतिज्ञा की ओर देखते हैं। मैं परवाह नहीं करता कि कितने लोग *इस* ओर गिरते हैं और कितने लोग *उस* ओर गिरते हैं। प्रतिज्ञा सच्ची बनी रहती है।

146 आपको उन परीक्षाओं में से होकर आना होगा। समझे? जी हां। अब्राहम को पहले परखा गया, और फिर मोहरबंद किया गया, उसके बाद प्रतिज्ञा दी गई कि "उसका बीज शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" मैं इसे पसंद करता हूं। तब, उन्होंने अपने शत्रु के फाटकों पर अधिकार कर लिया, जब उनकी परीक्षा हुई थी उसके बाद।

147 बात ऐसी है कि हम परीक्षा में नहीं खड़े हो सकते। यही कारण है कि हमारी संगठनाए परीक्षा में नहीं खड़ी हो सकती हैं। यह परमेश्वर की इच्छा पर नहीं है। ऐसा है, परमेश्वर ने इसे आशीषित किया है, लेकिन यह परमेश्वर की इच्छा पर नहीं है। क्योंकि, देखिये, आपके पास यहां मनुष्यों की एक पूरी कंपनी है, जो विचारों की पूरी कंपनी के साथ है, और वे उन्हें एक साथ एकत्र करते हैं और वे सबसे अच्छे विचार के साथ बाहर आते हैं जो उनके पास हो सकता हैं। उनमें से कुछ कहते हैं, "*यह* एक बड़ा व्यक्ति है। आप उसके शब्द का इन्कार नहीं कर सकते।" तो ठीक है, इसी तरह से कैथोलिक कलीसिया संगठित हुई है, उसी तरह से, बुद्धिमान विश्वासियों के एक झुण्ड के ऊपर। बुद्धिमान लोग, वे इसकी ओर देखते हैं, इसे समयों के साथ सामना करते हैं। आप ऐसा नहीं कर सकते। बाकी सब कुछ झूठ है सिवाय परमेश्वर के वचन के।

148 अब्राहम ने कभी भी एक चीज की ओर नहीं देखा सिवाय परमेश्वर की प्रतिज्ञा के। चाहे यह जो कुछ भी था, वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा के साथ बना रहा।

149 तब यही वो कारण है कि हमें और अधिक नहीं मिलता हैं। एक संगठन शत्रु के फाटक का अधिकारी नहीं हो सकता। वहां बहुत सारे उलझे हुए दिमाग है।

150 एक व्यक्तिगत जन को लेना होगा, जो शत्रु के फाटक पर अधिकार रखता है। यदि आप चाहें तो ऐसा कर सकते हैं। जी हां, श्रीमान।

151 आइए कुछ मिनटों के लिए कुछ के लिए कोशिश करें, देखें कि क्या वे वचन में बने रहते हैं।

152 अब, वहां पर बाबुल में एक समय था जब वहां एक—एक मूर्ति को स्थापित किया गया था, लगभग कैथोलिक कलीसिया का नमूना, और वे सारे जो उस मूरत के सामने नहीं झुके, वे आग की भट्टी में जला दिए जाएंगे। अब, यह एक बल परीक्षा थी, कि क्या वे बने रहेंगे, जब कि परमेश्वर ने कहा, "तुम्हारे पास मेरे सामने कोई और देवता नहीं होना है, या किसी भी चीज की कोई मूरत नहीं बनाना।" यही है जो परमेश्वर ने कहा था। बल परीक्षा आ गयी।

153 बाकी का सारा इस्राएल सीधे इसमें गिर गया। और जब तुरही फूंकी गई, और—और सारंगी बजने लगी, और वह—वो और बाँसुरी बजने लगी, क्यों, वे सब इस मूरत के सामने गिर पड़े।

154 लेकिन उनमें से तीन ऐसे थे जिन्होंने कहा, "कुछ भी नहीं चलेगा।" उन्होंने उस छोटी धीमी आवाज को सुना, और वे वचन के साथ पंक्ति में बने रहे। उन्होंने क्या किया? वचन के साथ बने रहे।

155 और उसके बाद, उन्होंने—उन्होंने—उन्होंने कहा, "यदि तुम ऐसा नहीं करते हो... हम तुम्हे एक और मौका देंगे, या तो हम तुम्हे आग की भट्टी में फेंक देंगे।"

156 कहा, "हमारा परमेश्वर हमें उस आग की भट्टी में से छुड़ाने में सक्षम है।" [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] "लेकिन, इसके बावजूद, हम वचन के साथ बने रहेंगे।"

157 अब, भाई, आपके बारे में क्या है? "मैं क्या करूं, भाई ब्रन्हम?" वचन के साथ बने रहो। प्रतिज्ञा के साथ बने रहो। "मेरी कलीसिया वे सारे मुझसे दूर चले जायेंगे।" प्रतिज्ञा के साथ बने रहे। उन्हें धुंधला पड़ना ही है, बस किसी दिन चले जाना है, जो भी हो। लेकिन, परमेश्वर नहीं जायेगा।

प्रतिज्ञा के साथ बने रहे। "ठीक है, मैं आपको बताता हूं, वे मुझे बाहर निकाल देंगे।" प्रतिज्ञा के साथ बने रहे, बिल्कुल उसी तरह से। आप ठीक प्रतिज्ञा के साथ बने रहे। अब, यदि आप प्रतिज्ञा के साथ बने रह सकते हैं और वहां बने रहे, तब ठीक उनके साथ बने रहें।

158 सबके साथ संगति करे। लेकिन अब यहाँ, अब, आप कभी भी किसी और तरीके से नहीं जीत पाएंगे, सिवाय हर एक के साथ संगति करने के। आपको करना ही है। अब, जब वे बहुत ही बुरे हो जाते हैं, वे अनैतिक हो जाते हैं, तब इससे दूर हो जाए। यह सही है। शत्रु के क्षेत्र में ना जाए। लेकिन जब तक आप अपने भाई को जीतने की कोशिश कर रहे हैं, तो यह अलग बात है। देखा?

159 अब देखो, लेकिन आप कभी भी संगठन की राय को नहीं जीत पायेंगे, एक व्यक्ति, नहीं, श्रीमान, जब, उन्होंने अपना नियम बनाया, "हम *इसे* विश्वास करते हैं," पूर्ण विराम। यदि आप अपने सिद्धांत को लिखते है, "हम *इसका* विश्वास करते हैं," अल्पविराम, तो यह भिन्न बात होगी। एक पूर्ण विराम का अर्थ है, "हम *इसका* विश्वास करते हैं, और तुम्हे *इस* पर आना ही होगा और इस कागज पर हस्ताक्षर करना होगा, या बस ऐसा ही है।"

160 लेकिन यदि आप कहते हैं, "हम *इसका* विश्वास करते हैं," अल्पविराम, "साथ ही जितना हम परमेश्वर से सीख सकते हैं, सिखेंगे। हम पवित्र आत्मा के लिए खुले हैं," तब आप आगे बढ़ रहे हैं, भाई। जी हां। यह अब भिन्न बात होगी।

161 लेकिन, आप देखते हैं, यदि आपने इसे एक पूर्ण विराम के साथ लिखा है, और परमेश्वर कुछ तो और देता है जो ऊपर आता है, यह उसका वचन साबित होता है, सत्य साबित होता है, आप आगे नहीं बढ़ सकते, क्योंकि यह "पूर्ण विराम" लगा हुआ है। यह इसे समाप्त कर देता है। यही है जहाँ पर लूथरनो की मृत्यु हुई। यही है जहां मेथोडिस्ट मरे। यही है जहां वे बैपटिस्ट मरे। यहीं पर प्रेस्बिटेरियन की मृत्यु हो गई। और यही है जहां पेंटीकोस्टल मर रहे हैं। यह सही बात है। यह सही बात है। वे ठीक वहीं पर मर जाते हैं, अब देखो, क्योंकि यह—यह पहले से ही लिखा हुआ है। वहां ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे आप—आप इसमें जोड़ सकते हैं या इसमें से निकाल सकते हैं। यह—यह तो वहां पर है। यही आपका सिद्धांत है।

162 लूथरन पवित्रीकरण को स्वीकार नहीं कर सका। नहीं, श्रीमान। उसने कहा, "धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।" ना ही मार्टिन लूथर; लेकिन वह झुण्ड जो उसके पीछे–पीछे चला। यह सही है।

163 ना ही जॉन वेस्ली; लेकिन झुण्ड जो उसके पीछे–पीछे चला। यह सही है।

ना ही केल्विन; लेकिन झुण्ड जो उसके पीछे–पीछे चला।

164 ना ही बैपटिस्ट कलीसिया के जॉन स्मिथ, जिन्होंने रात के समय जी जान लगाकर प्रार्थना की, इतना तक कि उसकी आंखें सूज कर बंद हो गई, उसकी कलीसिया के लिए; और उसकी पत्नी उसको पकडकर बाहर ले जाती है और उसे टेबल पर चम्मच से खाना खिलाना पडता है। ना ही वो; लेकिन यह बैपटिस्टों का झुंड जो उसके पीछे आता है, संगठन बन गया जो उसके पीछे आया।

ना ही एलेक्जेंडर कैंपबेल; लेकिन वे लोग जो उसके पीछे–पीछे आये थे।

165 ना ही आरंभ में पेंटीकोस्टल का अभियान, जिसके पास सारी चीजें सार्वजानिक थीं, और हर एक के साथ संगति थी; लेकिन वो झुण्ड जो आकर और कहते थे, "नहीं। हम *यह* है, और हम *वो* है। और *ये* वो मुद्दे हैं, और यह यही है!" ("अपने आप को अलग करते हुए, ऐसा प्रतीत होता है कि विश्वास नहीं है।") ठीक है। यही है जो इसने किया। वहां वो दुष्ट बात है। आमीन। मैं आज सुबह धार्मिक महसूस कर रहा हूं।

166 इब्रानी बच्चे, उनके परीक्षा में खडे होने के बाद, चाहे वे प्रतिज्ञा के वचन के लिए बने रहे, या नहीं, उन्हें परीक्षा में रखा गया था। और उन्होंने क्या किया? उन्होंने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया। आमीन। क्यों? वे वचन पर बने रहे।

वचन के साथ बने रहे, वो परमेश्वर की आवाज जो आपसे बात करती है।

167 अब, सारे तर्क ने कहा, "अब, देखो। बाबुल, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि, हम, जब हम इस मूरत के सामने झुकते हैं, जो भी है, हम तो परमेश्वर की आराधना कर रहे हैं। तो, यदि हम इसे *इस* तरह से करते हैं, तो हमारा मतलब *इस* तरह से होता है।"

इसे उसी तरह से करे जैसे परमेश्वर ने कहा है।

168 क्या हो यदि परमेश्वर ने कहा, "मूसा, अपने जूते उतार दे, मूसा। तुम पवित्र भूमि पर हो।"

169 वो कहता, "धन्यवाद, प्रभु। मैं निश्चय ही आप पर विश्वास करता हूं। मैं बजाये जुते के बस अपनी टोपी को उतारूंगा। मेरे जूते की डोरी को खोलना बहुत ही परेशानी की बात है।" उह–हुंह। ओह! यह कभी काम नहीं करेगा।

उसने कहा, "जूता।" उसने "टोपी" नहीं कहा। सही है।

170 जो परमेश्वर कहता है आपको पंक्ति दर पंक्ति आना होगा, और उसके वचन के साथ पंक्तिबद्ध होना होगा।

171 अब, उनकी परीक्षा होने के बाद, उन्होंने अग्नि के शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लिया। उन्होंने पाया, जब वे सीधे अंत तक चले गए, परमेश्वर के वचन पर बने रहते हुए, उन्होंने फाटक पर अधिकार कर लिया। यह सही है। उसके बाद...

172 दानिय्येल। वहां एक घोषणा हुई थी, और मादी–ओ–फारसियों के द्वारा हस्ताक्षर किया गया था, जिसे बदला नहीं जा सकता था, कि, "यदि कोई किसी और देवता से प्रार्थना करे, तो उसे सिंहो की मांद में फेंक दिया जाए।" और दानिय्येल जानता था कि परमेश्वर का वचन था, केवल उसी से प्रार्थना करे, सो उसने बस खिड़कियां खोल दी और किसी भी तरह से प्रार्थना करने लगा। अब, वह कभी भी पीछे एक कोने में नहीं गया। उसने मंदिर की ओर की खिड़कियां खोल दी। वह इससे लज्जित नहीं हुआ था।

173 और हम नहीं चाहते कि रविवार को अपने धर्म का अभ्यास करे, और सोमवार को कुछ और ही करे। या, हमारे हृदय के अंदर एक बात पर विश्वास करें, किसी और के सामने आकर और कहे, "ठीक है, मैं नहीं जानता। जी हां, मैं सोचता हूं कि आप ठीक कह रहे हैं।" आप जो है वही बने रहे। आप नही करते, तो पुलपिट से बाहर आ जाये, कलीसिया से बाहर आ जाये। यह सही है। क्योंकि, आप दोनों के कर्जदार हैं। आप जो है वही बने रहे। बताये कि आप क्या विश्वास करते हैं, तब आपके पास पीछे हटने के लिए कुछ भी नहीं होता है। आप ठीक वैसे ही खड़े रहते हैं जो सच है। हर कोई आपके रंग को जानता है। मनुष्य आपकी सराहना करेंगे, कोई भी मनुष्य।

174 ... .एक स्त्री उतनी ही बदसूरत हो सकती है, जैसे कि बाहर निकलती है। वह हो सकता है बड़ी हो, मोटी हो, छोटी, पतली, काले सिर वाली, भूरी आंखों वाली, नीली आंखों वाली, भूरी आंखों वाली हो हो; एक, एक तरह से, और एक दूसरी तरह से। ... ... .लेकिन यदि वह स्त्री साफ–सुथरी है, वो महिला, वहां देश में कोई पुरुष नहीं है, लेकिन उनके लिए अपनी टोपी को क्या उतारेगा, उसके अंदर एक औंस पुरुष होता है। ठीक है। क्योंकि, वह—वह स्त्री उस बात को उत्पन्न करती है जो वो है, और पुरुष इसकी सराहना करते हैं।

175 वैसे ही परमेश्वर एक पुरुष की सराहना करेगा जो वह होगा, या वे पुरुष जो मसीहत का दावा करते हैं। आइए हम एक मसीही बने, पवित्र आत्मा से भरे, परमेश्वर के वचन के साथ हो, या तो इसके बारे में भूल जाए। ठीक है। क्योंकि, अन्यथा, आप ढोंगी बन जाते हैं, और एक भिन्न प्रकार के जीवन को जी रहे होते हैं। और लोग देखते हैं कि आप यहां नाचने के लिए आते है, और धूम्रपान करते हैं, और इस तरह की चीजें करते है, और एक मसीही होने का दावा करते हैं, तब, देखो, आप दूसरों के रास्ते में ठोकर का कारण बनते हैं।

176 आप कभी–कभी महिलाओं को देखते हैं, वे किस तरह से अपने बाल काटती हैं और कपड़े पहनती और इन छोटे पुराने कपड़ो में किस तरह का व्यवहार करती हैं, एक चमड़ी से ढकी हुई बौने की तरह या किसी चीज की तरह दिखती है, और वहाँ सड़क पर जाती है, यहाँ वहां घूमती है, एक सेंडल की एड़ी लगभग *इतनी* ऊँची, जो रास्ते पर ठुमक–ठुमक कर चलती है। क्या यह पेंटीकोस्टल है? तब वे—वे दूसरी कलीसियाये कहती हैं, "वे दावा करते हैं कि उनके पास कुछ तो है जो कि उनके पास नहीं है।"

177 आप पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबंद और चिन्हांकित किये गये हैं। आप आज रात एक नृत्य करने के हॉल में नहीं हैं और किसी पुरुष की बाहों में लटकी हुई हैं, जो आपका पति नहीं है; अगली रात को, और कलीसिया में वापस आकर और सारे स्थान पर नाचती हैं। यह पेंटीकोस्टल नहीं है। यह ढोंगीपन है। यह गंदगी है।

178 मैं इतना अधिक इसे आपके लिए नहीं कह रहा हूं। लेकिन, आप समझते हैं, ये टेप जो यहां बनाए जाते हैं, दुनिया भर में जाते हैं, इसलिए मैं बस ऐसे ही प्रचार करता हूं जैसे यह पूरी दुनिया के लिए है। जब मैं महसूस

करता हूं कि परमेश्वर कह रहा है, "कुछ तो कहो," मैं बस इसे कहता हूं, क्योंकि मैं नहीं जानता कि यह कहां जा रहा है। यह उस पर निर्भर करता है कि इसका ध्यान रखे। केवल वचन के साथ बने रहे। यह सही है। तो ठीक है।

179 नहीं, दानिय्येल उनकी घोषणा के सामने नहीं झुकेगा, चाहे उसे संगठना से बाहर निकाल दिया गया हो या नहीं। वह ठीक खिड़की पर बना रहा, और परमेश्वर के वचन के साथ बना रहा। वह इससे लज्जित नहीं हुआ था।

180 क्या हुआ? उन्होंने उसे सिंहो की मांद में फेंक दिया, लेकिन उसने सिंहो की मांद के फाटकों पर अधिकार किया। क्यों? महिमा! क्योंकि उस परमेश्वर ने कहा उसका... "तेरा बीज शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" कभी भी जहाँ शत्रु होता है, आपको फाटक मिलता है। ओह, कितनी बार कर सकते हैं हम... ?

181 मूसा को देखो, परमेश्वर की आज्ञाओं की पंक्ति का पालन करते हुए, मिस्र के अंदर चला गया, ऐसा लग रहा था कि सब कुछ विपरीत था। उसके पास कुछ नकल करने वाले थे जो उसके साथ गए। वह कुछ चिन्हों के— के साथ वहां पर गया, यह दिखाने के लिए कि उसे भेजा गया था। एक सर्प को नीचे फेंका, और इसी तरह से इत्यादि।

182 और यहां नकल करने वाले आते हैं, उनके सर्प को नीचे फेंकते हैं। वह क्या कर सकता था? कुछ भी नहीं। परमेश्वर ने उसे कभी नहीं बताया कि वे ऐसा करेंगे। वह मूसा की परीक्षा लेना चाहता था। वही वो एक था जिसने यर्नेस और यम्ब्रेस को अपने सर्पों, या उनकी लाठी को नीचे फेंकने की अनुमति दी।

183 सो वहां पर मूसा कर्तव्य की पंक्ति में खड़ा था। उसकी लाठी को नीचे फेंका। यह सांप में बदल गयी। उसने कहा, "इसे देखो, फिरौन। यही है जो मेरे प्रभु ने मुझे आकर तुम्हारे सामने करने के लिए बताया।"

184 फिरौन ने कहा, "यम्ब्रेस और यर्नेस, यहां आओ।" उन्होंने अपनी लाठी नीचे फेंक दी। वे सांप में बदल गए, जो मूसा ने किया था।

185 क्या उसका चेहरा लाल हो गया था? नहीं, श्रीमान। उसने फिर भी विश्वास किया कि परमेश्वर ने उसे भेजा है। वह उस प्रतिज्ञा के साथ बना रहा। और क्या हुआ?

186 यही है जब आप अपनी कुछ सम्मेलन की सभाओ से पहले हो जाते हैं। हो सकता है आपका चेहरा थोड़ा सा लाल हो जाए। वचन के साथ बने रहे।

187 क्या हुआ? एक ही बार में, मूसा का यह बड़ा कोबरा सर्प वहां पर आकर और उन्हें निगल गया। परमेश्वर ने प्रमाणित किया। उसकी परीक्षा के बाद, उसने कहा, "मैं तुमसे चाहता हूं कि इस चिन्ह के द्वारा, उन बच्चों को वहां बाहर जाने दो। मैं चाहता हूं कि तुम उन्हें घर वापस भेज दी, जहां से वे ताल्लुक रखते हैं। परमेश्वर यहां बताने के लिए नीचे आया, मुझे उन्हें छुड़ाने के लिए यहां नीचे भेजा। मैं चाहता हूं कि वे वापस जाएं।" उसने उसे वहां नीचे फेंक दिया।

188 ओह, परीक्षा आती है। मूसा, तुम क्या करने जा रहे हो, घूमकर, यहाँ से चले जाओ, कहता, "ठीक है, मैं शायद गलत हो सकता हूं"? नहीं, श्रीमान।

मूसा ठीक वहीं पर खड़ा हुआ था, "परमेश्वर ने इसकी आज्ञा दी।" महिमा!

189 परमेश्वर कुछ भी कहता है, इसके साथ बने रहे। कोई मतलब नहीं क्या घटित होता है, इसके साथ बने रहे। यदि वे आपको बाहर रखकर और कहते हैं, "हम सहयोग नहीं करेंगे, *ऐसा* नहीं करेंगे," इसके साथ बने रहे।

190 मूसा ठीक इसके साथ बना रहा। क्या हुआ? उसने अपने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया। हाल्लेलुय्या। शैतान ने कहा, "मैं तुम्हारे सामने मृत सागर को फैला दूंगा," लेकिन यह खुल गया। वे उन्हें मिस्र में अब और रोक कर नहीं रख सकते थे। उसने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया। क्यों? क्योंकि वह कार्यादेश के साथ बना रहा जो परमेश्वर ने उसे दिया था। परमेश्वर की आज्ञाएं, वह परमेश्वर के वचन के साथ बना रहा और उसने शत्रु के फाटकों पर अधिकार पाया।

191 यहोशू, एक परीक्षा में से होकर गुजरने के बाद। हो सकता है, वह वहां पर था, और यरदन के पार तैर गया, वो और कालेब, भेदियो के साथ थे। जब वह यरदन से वापस आया, तो वे कादेश–बर्निया को चले गए। और उन सभी ने कहा, "ओह, यदि हम आरंभ करेंगे, तो यह हमारे संगठनाओ के टुकड़े–टुकड़े कर देगा। हम बस अंदर नहीं जा सकते।"

192 वह आत्मा नहीं मरती। "ओह, हमारे पास यह नहीं हो सकता है। यदि हम अपने लोगों को यह सिखाते हैं, तो हम क्या करेंगे? हम कलीसिया के लगभग आधे डीकनों को बाहर निकाल देंगे। उन्होंने दो बार, तीन बार विवाह किया है। हम क्या करें? हम, क्यों, यदि हम अपनी महिलाओं को बताते है कि लंबे बाल रखने हैं, तो आप जानते हैं कि वे क्या करेंगी? वे कलीसिया को छोड़ देंगी। और हम क्या करेंगे? क्यों, हम बस पुराने चाल–चलन के लोग माने जायेंगे।" यीशु भी पुराने चाल–चलन का था। "हम ऐसा नहीं कर सकते। हम ऐसा नहीं कर सकते। यह हमारे लिए बहुत ज्यादा है।"

193 आप जानते हैं कि एक सीमा रेखा के विश्वासी को क्या मिलता है। इब्रानियों, छठवां अध्याय, इसे समझाता है। "क्योंकि जिन्हों ने एक बार ज्योति पाई है, और पवित्र आत्मा के भागी हो गए हैं, यदि वे भटक जाएं; तो उन्हें मन फिराव के लिये फिर नया बनाना अन्होना है।" उसने उस सीमा रेखा पर आकर और वहां जाने से इंकार कर दिया, ऐसा ही है, उसने पूरी तरह से विश्वास करने से इनकार कर दिया।

194 क्योंकि, कालेब ने क्या किया? यहोशू ने क्या किया? उसने कहा, "हम इसे लेने के लिए बिल्कुल सक्षम है।" क्यों? वे परमेश्वर की प्रतिज्ञा के साथ बने रहे।

195 क्यों, उन्होंने कहा, उन दूसरों ने कहा, "खैर, वे दानव है। वे पूरी तरह से दीवारों के पीछे हैं। वे *इस* तरह से हैं। क्यों, हम उन्हें किसी भी तरह से छू भी नहीं सकते।"

196 यहोशू ने कहा, "हम इसे करने में बिल्कुल सक्षम हैं। शांत रहो, तुम लोग! चुप रहो! बैठ जाओ!" आमीन।

197 मैं आपको बताता हूं, विश्वास एक बड़ी चीज में होता है, जब यह परमेश्वर के वचन पर आता है। तब वो डरता नहीं है। विश्वास के छाती पर बाल होते हैं, बड़ी–बड़ी मांसपेशियां होती है। यह कहता है, "चुप हो जाओ!" हर एक चीज भाग कर कोने में चली जाती है, यह सही है, जब परमेश्वर बोलता है। "तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में, तो तुम जो चाहो बोलो।" आप वहां है। ओह, मैं इसे पसंद करता हूं। हुंह!

शैतान कांप उठेंगे, और पापी जाग उठेंगे;
यहोवा पर विश्वास किसी भी चीज को हिला देगा।

198 आपके पास भला विश्वास कैसे हो सकता है जब आप जानते हैं कि आप काम नहीं कर रहे हैं, उसके वचन में नही चल रहे हैं, जब आप जानते हैं कि वहां ऐसी चीजें हैं जो आपको कहना चाहिए और आप इसे नहीं कहते हैं? वहां पर ऐसी चीजें हैं जो आपको सिखाना चाहिए और आप इसे नहीं सिखाते है। वहां ऐसी बातें हैं जो आप नहीं कह सकते हैं, और आपके पास भला कैसे विश्वास हो सकता हैं जबकि आप जानते हैं कि आप गलत हैं?

199 "यदि हमारा ह्रदय हमें दोषी नही ठहराता है।" आप वहां है। आप वहां है। लेकिन उस वचन के साथ बने रहे, जहां पर कुछ भी दोषी नहीं है। "जो मसीह यीशु में है, उन पर कोई दोष नहीं है, जो शरीर के अनुसार नहीं लेकिन आत्मा के अनुसार चलते हैं।" आत्मा वचन के साथ अगुवाई करता है, क्योंकि आत्मा केवल वचन में से ही आ सकता है, क्योंकि उसका वचन आत्मा है। और यह केवल... परमेश्वर का सच्चा वास्तविक आत्मा, केवल परमेश्वर के वचन को ही बोल सकता है। ओह, प्रभु! प्रभु, परमेश्वर!

संसार, दूर हो जा। शैतान, हमें छोड़ दे।

200 इस पहाड़ से कहने से ना डरे, "हट जा।" इसे कहे। वहां पर रुके रहे, उसे उखड़ते हुए देखे। यह सही बात है।

201 लेकिन आपको वहां कोई भी दोषी ठहराया जाता है, तो आपके लिए बेहतर—बेहतर होगा कि आप शांत रहे। तब आप बस बड़बड़ा रहे होते हैं। आप सच नहीं कह रहे होते हैं। आप तो वे बातें नहीं कह रहे हैं जो आपको कहनी चाहिए। तो ठीक है।

202 हम तब पाते हैं कि यहोशू, उस परीक्षा में से होकर जाने के बाद, उसने एक अच्छे देश के प्रमाण को देखा, और वह कादेशबर्निया में खड़े होकर और उन सब के विरोध में शिकायत की, और कहा, "हम इसे लेने के लिए बिल्कुल सक्षम है। हम इसे ले सकते हैं।" विचार क्या था? उस पार जाना।

203 मूसा का विचार क्या था? "इस चिन्ह को दिखाकर और बच्चों को बाहर निकालना।" और ऐसा दिखाई दिया कि यह विफल हो गया। लेकिन वह वचन के साथ बना रहा, और मृत सागर का फाटक उसे रोक नहीं सका। वह ठीक इसमें से होकर आगे बढ़ता गया। उसने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया।

204 यहोशू, परमेश्वर की प्रतिज्ञा की ओर देख रहा था, कहा, "हम इसे लेने के लिए बिल्कुल सक्षम है।" यह सही है। और जब वह यरदन के पास

आया, तो यरदन ने क्या किया? उसने रास्ता दिया। आमीन। ऐसा ही है। उसने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया। वह यरदन उसे वहां उस ओर जाने से और उस प्रतिज्ञा को लेने के लिए पीछे रोके रखा था। लेकिन जब वह वहां पर पहुंचा, तो वह अब्राहम का बीज था। क्यों? उसने परमेश्वर के वचन पर विश्वास किया। यही एकमात्र तरीका है कि आप एक अब्राहम के बीज हो सकते हैं, कि परमेश्वर के वचन पर विश्वास करे। और फिर उसने क्या किया जब वह वहां पर आया जहां वह शत्रु को लेने के लिए तैयार था? परमेश्वर ने फाटक को खोल दिया, और उसने उस पर अधिकार कर लिया, उसे ले लिया, उस ओर चला गया।

205 जब पहली लड़ाई, उसका पहला संघर्ष जो उनके साथ था, दीवारें इतनी चौड़ी थी कि वे उनके ऊपर रथ की दौड़ लगा सकते थे। वह भला उन्हें कैसे अधिकार में करेगा? वे उससे दूर भाग गये, वापस अंदर चले गए। शत्रु भी ऐसा करेगा। "लेकिन तुम शत्रु के फाटक पर कब्ज़ा कर लोगे।"

206 कहा, "प्रभु, मुझे क्या करना चाहिए?" वह एक दोपहर को इधर–उधर घूम रहा था, मनन कर रहा था। उसने एक मनुष्य को खड़ा हुआ देखा जो खींची हुई तलवार के साथ था। यहोशू ने अपनी तलवार बाहर निकाली, कहा, "क्या तू हमारी ओर है? क्या तू हमारे शत्रु की ओर है?"

उसने कहा, "मैं इस सेना का कप्तान हूं।"

"मुझे क्या करना चाहिए?"

207 "इसके चारों ओर तेरह बार चक्कर लगाओ। तुरही को फूंको। तू शत्रु के फाटक का अधिकार कर लेगा।"

208 वह नीचे गिर पड़ा। जी हां, श्रीमान। क्यों? वह अब्राहम का एक बीज था, जिसने परमेश्वर के वचन को थामे रखा। उसने हर एक फाटक को ले लिया जो उसके सामने आया। निश्चित रूप से।

देर हो रही है। मुझे खत्म करना होगा।

209 देखो, ये सारे बहुमूल्य नायक, उन नायको से एक भरा हुआ पन्ना यहाँ पर लिख कर रखा हुआ है। लेकिन ये सारे बहुमूल्य नायक, वे चीजें जो उन्होंने की, वे अंत में मर गए।

210 लेकिन तब वास्तविक विश्वास का बीज आता है, अब्राहम का शाही बीज, यीशु, एक प्रतिज्ञा। अब्राहम के पास इसहाक था, सच्चा, शरीर के

अनुसार, लेकिन वास्तविक बीज उस संगठना के सिद्धांत में नहीं था। यह परमेश्वर के वचन की उस प्रतिज्ञा में था, कि वह उसे राष्ट्रों का पिता बनाएगा, ना ही इसहाक के जरिये से, लेकिन शाही बीज के जरिये से, यीशु के जरिये से। वह शाही बीज था, जो असल में, अब्राहम का बीज था, यीशु, वो एक यहूदी नहीं था, ना ही वह एक अन्यजाति था। वह परमेश्वर था। देखा? वो...

211 आप यहां जो कैथोलिक लोग है, आपके हृदय को आशीषित करें। लेकिन जब आप एक देवी के रूप में मरियम की आराधना करते हैं, तो कुछ भी हो आपके साथ क्या मामला है? मरियम कुछ भी नहीं केवल एक स्त्री थी। परमेश्वर ने उसे चुना। वह इन्क्यूबेटर या एक बालक को रखने के लिए गर्भ थी। बस ऐसा ही है। एक इन्क्यूबेटर या बालक को रखने के लिए गर्भ यही है जो एक महिला होती है, लेकिन वह पुरुष के बीज के साथ संयुक्त होती है।

212 लेकिन, यह एक मिले–जुले श्रोतागण है, लेकिन मुझे यह कहना होगा ताकि आप समझ जाये कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। अब, आप अपने—अपने डॉक्टर की बात को सुनते है, और मैं आपका भाई हूं। निश्चय ही, आप सुन सकते हैं।

213 मसीह में मरियम के कोई पराग के कण नहीं था। वहां कोई कामुकता की अनुभूति नहीं थी जब पवित्र आत्मा ने उस पर छाया किया, जरा सी भी नहीं। लेकिन सर्वशक्तिमान परमेश्वर, सृष्टिकर्ता ने लहू की कोशिका और पराग के कण को बनाया। हुंह! यदि यह मरियम के पराग के कण होते थे, तो मरा हुआ जी नहीं उठता।

महिमा हो! यह अभी ताजा मिला। मैंने बस इसे पकड़ लिया।

214 तब यदि आप कहते हैं कि कोई अंतर नहीं है, हम क्या करते हैं, तो फिर परमेश्वर ने हमें क्यों बताया कि गलत बातों से दूर रहो? परमेश्वर ने यीशु की देह को क्यों उठाकर खड़ा किया, यदि ऐसा नहीं है तो? तो, आप देखो, इसमें कोई महिला जुडी हुई नहीं हो सकती है। यदि वहां ऐसा था, तब तो उसकी देह उसकी मां मरियम के अनुरूप थी, क्योंकि मरियम के पास एक आत्मा के द्वारा छाया करके एक यौन संबंध होता था, जिसके कारण उसे एक शुक्राणु को—को छोड़ना था, और यह गलत है। पवित्र आत्मा, बेदाग गर्भाधान के द्वारा, हाल्लेलुय्या, वहां उसने पुरुष और स्त्री

दोनों के शुक्राणुओं की सृष्टी की।

215 क्या यीशु ने उसे "मां" कहकर बुलाया? इसे वचन में ढूंढे। उसने उसे "स्त्री" कहा। हाल्लेलुय्या! स्त्री! (यह मुझे ताजा मिला है। यही कारण है कि यह इसे कर रहा है जिस तरह से यह कर रहा है।) "स्त्री, अपने पुत्र को देखो।" वह उससे लाखों मील अधिक निकट था।

216 वह परमेश्वर था। वह न तो यहूदी था और न ही अन्यजाति। वह परमेश्वर था, मांस और शरीर, परमेश्वर उसमें वास कर रहा था। परमेश्वर स्त्री के शुक्राणु में वास कर रहा है? ऐसा नहीं कर सकता। उस स्त्री के शुक्राणु का हमारी देह के साथ कुछ तो लेना–देना था। लेकिन यह लहू और साथ में शुक्राणु था, जिस पर परमेश्वर ने छाया किया था।

217 यदि वह चाहता था तो इसे बचे हुए मूल भाग पर रख सकता था। जी हां, श्रीमान। वह इसे कहीं भी रख सकता था, जहां वह चाहता था।

218 लेकिन वह इसे लेकर आया क्योंकि स्त्री गिरावट में थी। वहां जीवित परमेश्वर का बेदाग पुत्र आया, सृष्टी किया हुआ, कुंवारी से जन्मा, शरीर और प्राण दोनों।

219 दाऊद ने क्यों कहा, "मैं अपने पवित्र जन को नहीं देखूंगा... न अपने पवित्र जन को सड़ते हुए देखूंगा, न मेरा पवित्र जन सडावट देखेगा। ना ही मैं उसके प्राण को अधोलोक में छोडूंगा"? दाऊद ने यह कहा। देखा? प्राण, शरीर और आत्मा सब, परमेश्वर के द्वारा, उसके द्वारा सृष्टी किये गए थे।

220 वह स्त्री मां नहीं थी, यह एक स्त्री थी। मैं विश्वास करता हूं कि वह पूरी तरह से एक भली, पवित्र स्त्री थी। वह कभी भी शिशु को जीवित रखने का गर्भ नहीं थी, परमेश्वर ने कभी भी गंदे गर्भ को शिशु को जीवित रखने के लिए नहीं चुना होगा। प्रभु ने चाहा तो, मैं आज रात इस पर प्रचार करूंगा। लेकिन—लेकिन कहा, "एक पुराना गंदा शिशु को जीवित रखने का गर्भ कि उसके—कि उसके पुत्र को धरती पर लाये? उसने एक कुंवारी को चुना, जो एक पुरुष को नहीं जानती थी।" ना ही उसके पास कोई शुक्राणु का रिसाव हुआ था, या ऐसा ही कुछ भी, जब पवित्र आत्मा ने उस पर छाया किया था, क्योंकि, परमेश्वर, उसके बेदाग, अनंत तरीके से, उसमें सृष्टी की गई, प्राण, शरीर, और यीशु मसीह की आत्मा। यह सही है। वह कुंवारी से जन्मा परमेश्वर का पुत्र था।

221 इसने क्या किया? इसने शत्रु के फाटक को तोड़ डाला। हाल्लेलुय्या! व्यूह! यह मेरे लिए अच्छा कर रहा है। देखो। क्यों? उसने ठीक वहां पर शत्रु के फाटक को तोड़ा, कि हर एक मनुष्य जो इस संसार में एक शारीरिक इच्छा के द्वारा जन्मा है, जो स्वर्ग में नहीं जा सकता है क्योंकि शारीरिक इच्छा ही है जिसने इसे आरंभ में शुरू किया है, अदन की वाटिका में, उन्होंने अपने आप को क्यों ढांप दिया था। जब उसने ऐसा किया, तो उसने ठीक वहां दो भागों में तोड़ दिया, और शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लिया। किस के द्वारा? अब्राहम के शाही बीज को लेते हुए, पहली बार में ही, और इसे नीचे तक चूर–चूर कर दिया। विश्वास और प्रतिज्ञा का शाही बीज, ना ही एक मरियम का गर्भधारण, लेकिन परमेश्वर का, फाटकों को तोड़ दिया। यही है, मनुष्य जाति को उस फाटक से होकर जाने दो। परमेश्वर की महिमा हो!

222 उसने क्या किया? तब शत्रु के सारे फाटकों को अधिकार किया। उसने बीमारी के फाटक को अधिकार किया। बीमारी उसकी उपस्थिति में नहीं हो सकती थी। नहीं, श्रीमान। ना ही उसकी उपस्थिति में कुछ और हो सकता है। एक अंतिम संस्कार की यात्रा उसकी उपस्थिति में नहीं खड़ी हो सकती थी। नहीं। उसने क्या किया?

223 यहोशू मर गया। मूसा मर गया। वे बाकी के सारे मर गए, लेकिन यह शाही बीज नहीं। मृत्यु वहां खड़ी नहीं हो सकती जहां जीवन था।

224 नाईन से आई वह स्त्री, अपने लड़के के साथ बाहर आ रही थी। वो रुक गया और कहा, "पुत्र, उठ खड़ा हो जा।"

225 वह लड़की जो मरी हुई थी, याईर की बेटी, उसने वहां पर पीछे उस अज्ञात संसार में एक शब्द को बोला, और कहा, "बेटी, उठ जा।"

226 लाजरस, चार दिन से मरा हुआ था और उसका शरीर सड़ गया था, और उसका प्राण चार दिनों से इससे दूर था। उसने कहा, "लाजरस, बाहर आ।" महिमा हो!

227 वहां पर वो है। उसने क्या किया? उसने हर एक चीज की मोहरें तोड़ दी। हाल्लेलुय्या!

228 उस वक्त जब उसे मरना था, वह उस जीवन को रोक नहीं कर सका। वह कभी भी नहीं मरता, लेकिन उसे उस जीवन को देना था। और जब उसने उस जीवन को दिया, तो वो एक मृत्यु से मरा। और उसका बहुमूल्य

प्राण, जैसा कि बाईबल ने कहा, नरक के अंदर उतरा, ताकि मेरे स्थान को और आपके स्थान को ले ले। वो अब्राहम का शाही बीज! वो क्या? वो शाही बीज था। ओह, महिमा!

229 अब हम शाही बीज है, जो कि वचन के साथ बना रहता है, बिल्कुल वैसे ही जैसे वो था। "क्योंकि आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था; और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में वास किया।" क्या आप नहीं देखते कि शाही बीज कहाँ पर रखा हुआ है? शाही बीज वह है जो वचन के साथ बना रहता है।

230 आप जो कमजोर लोग है जो शैतान के साथ समझौता करना चाहते हैं, उसके संसार के फैशन के साथ। (मैं यहां आप लोगो से नहीं बोल रहा हूं।) वहां जो बाहर है, आप प्रचारक लोग जो जानते हैं कि आप प्रचार करते हैं कि अद्भुत काम के दिन बीत चुके हैं, आप प्रचार करते हैं कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जैसी कोई चीज नहीं है, आप पर शर्म आती है, और अपने आप को अब्राहम का बीज कहते हैं।

231 शाही बीज वचन के साथ बना रहता है। शाही बीज, जो ना ही मनुष्य के द्वारा जन्मा होता है, पुरुष या स्त्री से कोई लेना–देना नहीं। स्त्री कलीसिया है; कलीसिया के साथ कोई लेना–देना नहीं है। मरियम का उस बीज से कोई लेना–देना नहीं था। ना ही कलीसिया का, जो कहलाने वाली संस्था है, इसका बीज से कुछ भी लेना–देना नहीं है। यह किस से जन्मा है? ना ही किसी संस्था से, ना ही मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, कैथोलिक, लूथरन, इत्यादि से।

232 लेकिन, परमेश्वर की प्रतिज्ञा के शाही बीज से जन्मा, यही वो एक है जो शत्रु के फाटक पर अधिकार करता है। इसे उसके लिए पहले ही ले लिया गया है। "क्योंकि यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में, जो चाहो मांगो, यह तुम्हारे लिए हो जाएगा।" आप वहां है। यह एक प्रतिज्ञा है। यह पहले ही हो चुका है।

233 उसका बहुमूल्य प्राण अधोलोक के अंदर उतर गया, जहां पर मुझे जाना चाहिए था। लेकिन उस तीसरे दिन पर... शिमशोन ने नगर के फाटक को अपनी पीठ पर ले लेता है, इससे कोई लेना–देना नहीं था। उसने अधोलोक के फाटकों को ले लिया, कब्र के फाटकों को, और हर चीज को ले लिया। वो इसे उठाकर पहाड़ पर लेकर नहीं गया, लेकिन उसने इसे नष्ट

कर दिया। हाल्लेलुय्या! उसने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया।

234 वो वातावरण जो वहां ऊपर शैतान की सामर्थ से भरा हुआ था, वे दूत या कोई भी नीचे नहीं आ सकता था। वहां कोई बिचवाई नहीं हो सकती थी, क्योंकि बकरियों का लहू पाप को दूर नहीं करेगा। लेकिन उसके अपने लहू ने पाप को दूर कर दिया।

235 और वह ऊंचे पर चढ़ा, और बन्धुवाई को बान्ध ले गया। वह मनुष्यों को दान देता है। अब, अब्राहम का हर एक बीज जो कीमत भुगतान करने को तैयार है, कि नीचे आकर और अपने पापों का पश्चाताप करें, अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लें, पवित्र आत्मा से भर गये, और परीक्षा में खड़े हुये।

236 और जब वे संसार को आप में से निकाल देते हैं, वे चीजें जो जा चुकी होती है, हर चीज जो गलत है, हर चीज जो गलत दिखाई देती है, जैसे कि स्त्रियां उनके बालों के साथ है, पुरुष उनके साथ आगे बढ़ रहे हैं, और कलीसियाये उनके संगठनों के साथ, और वो—और वो पास्टर जो उसके डिकनो की आवश्यकताओं को पूरा करेगा, और—और उन सभी प्रकार की चीजों को। कुछ अन्य सांसारिक लोग वहां घुस आते हैं और एक बेचारे पास्टर को परेशान करते हैं, उसे कलीसिया से बाहर निकाल देते हैं।

237 आगे बढ़ो, पास्टर। परमेश्वर आपको आशीष दे। ठीक वचन के साथ बने रहे। कुछ भी ना ले।

238 वह ऊंचे पर चढ़ गया। उसने क्या किया? उसने एक छेद को काटा, एक फाटक, जो, अब्राहम के इस बीज की प्रार्थना है। क्यों? क्यों? यदि हम मसीह की देह हैं, यदि हम मरे हुए हैं, हम अपने आप को मरा हुआ मानते हैं और मसीह में गाड़े गए, और उसके साथ पुनरुत्थान में जी उठे है। वह देह का सिर है। जहां सिर होता है, देह इसके साथ होती है। और तब, आज सुबह, जहां हर एक जन जिसने ऐसा किया है, "उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठा हुआ है," शाही बीज के साथ। परमेश्वर की स्तुति हो।

239 कोई फाटक नहीं। आप *इतनी* अधिक प्रार्थना नहीं कर सकते, और कहे, "ओह, ओह, *वहां* एक शब्द है।" हूं–उह। वे आपको रोक देते हैं, ठीक वहीं पर।

240 लेकिन यदि हमारा हृदय हमें दोषी ना ठहराये; यदि हम जानते हैं कि हम परमेश्वर की आज्ञाओं में चल रहे हैं; हम अपने जीवन को साफ होते हुए देखते हैं; हम इसे देखते हैं; हर एक वचन जिसकी परमेश्वर ने आज्ञा दी, हम उसका पालन करते हैं; तब हर एक शत्रु के फाटकों पर अधिकार कर लिया जाता है। "तब जो तुम चाहो मांगो, यह तुम्हारे लिए हो जाएगा।" "वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" ओह, भाई, वो क्या ही कलीसिया होगी!

241 जब मैं फिर से फीनिक्स में वापस आता हूं, यदि प्रभु मुझे अनुमति देता है, मैं आशा करता हूं, जब मैं इस आराधनालय में जाता हूं, कि ये कुर्सियां पंक्ति में होंगी, और इस नगर में संपूर्ण सुसमाचार अभियान की प्रत्येक कुर्सी जीवित परमेश्वर के संतों के साथ पंक्ति में होगी: जो मसीही के जैसे दिखाई पड़ते हैं; मसीही की तरह बात करते है; मसीहियों की तरह व्यवहार करते है; परमेश्वर की आत्मा के साथ उनके बीच में मंडराते हुए, जहां, यदि कोई पाप करेगा, तो पवित्र आत्मा इसे ठीक तभी बता देता है।

242 यह इसे करेगा। आपने इसे प्रार्थना पंक्ति में देखा है, जैसा कि यहाँ ऊपर वेदी पर होता है। जहाँ, कहता है, "तुम वहाँ पर वापस जाकर और अपने पति के साथ इसे ठीक करो। जाओ, अपनी पत्नी को बताओ कि पिछली रात से पहले तुम बाहर उस महिला के साथ थे, एक *फलां–और–फलां* स्थान पर बैठी हुई थी।" यदि यह इसे यहां करे, वचन में चलने के द्वारा, उस छोटी धीमी आवाज को सुनने के द्वारा, यह इसे आप में करेगा। आप अब्राहम के बीज हैं। तब, कोई पाप नहीं।

243 प्रचारक, क्या आप इसे अपनी कलीसिया में नहीं देखना चाहेंगे? इस कलीसिया में चलते, और *यहाँ* से होते हुए नीचे देखते, पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओर देखते, धर्मी, संत, वहां पर बस परमेश्वर की सामर्थ के साथ भरकर वहां पर बैठे हुए है। पाप अंदर नहीं जा सकता। एक मनुष्य अंदर चलकर जाता है और बैठ जाता है, आत्मा उठकर और कहता है, "जॉन जोन्स, तुम *फलां–और–फलां*, एक शहर से आये हो, एक *ऐसे–ऐसे* स्थान से। वह यहां अपने शरीर के लिए चंगाई को पाने के लिए आया है। देखा? उसने एक *फलां* स्थान पर एक *ऐसे–ऐसे* काम को किया। उसने *ऐसा* किया, और उसने लिया, *इसे* वापस लेना होगा, *इसे* ठीक करना होगा, तब परमेश्वर उसे कैंसर से चंगा करेगा। **यहोवा यों कहता**

है।" ओह, प्रभु!

244 मुझे एक कलीसिया देना, मुझे दस मनुष्य देना, भरे–... , वास्तव में जो परमेश्वर के रत्न हो, शाही बीज, उन मनुष्यों को एक साथ रख दे, और देखे कि क्या बात जगह लेगी। मुझे इस तरह के छोटे से घर से भरे लोगों को दो, और मैं आपको एक उजियाला दिखाऊंगा कि संसार इसकी ओर दौड़ा आएगा। यह सही है। यही है जो परमेश्वर हमसे होने के लिए चाहता है। "तुम एक पहाड़ी पर बसे हुए नगर हो।" आप अब्राहम के शाही बीज हैं। "वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।"

245 बीमारी, वहाँ बीमारी का एक कारण है। इन चींजों का एक कारण है। और परमेश्वर, पवित्र आत्मा, ये यहां पर है कि उस चीज को प्रकट करें और आपको बताएं कि आप इसे क्यों नहीं पाते हैं। हमारे साथ क्या मामला है? हमें सोचने की जरुरत नहीं है, "क्या यह ऐसा करेगा? " यह पहले से ही कर रहा है। आप क्या कर रहे हैं?

246 उस भविष्यव्यक्ता को देखो। उसने तेज सनसनाती आंधी को नहीं सुना, "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या!"

247 यह अच्छा है। अब, याद रखना, मैं इसे दोषी नहीं ठहरा रहा हूं। मैं आशा करता हूं कि हर कोई इसे समझ रहा है। किसी ने कहा, "भाई ब्रन्हम यह कहने में विश्वास नहीं करते, 'परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या!'" तो ठीक है, अब मुझे यहाँ पर देखें। मैं चिल्लाने, अन्य जुबान में बोलने, आत्मा में नाचने में विश्वास करता हूं।

248 लेकिन, भाई, जब आप वचन की उस छोटी सी धीमी आवाज को सुनने में असफल होते हैं, यही वो चीज है जो आपको ले जाती है। यही वो चीज है।

249 एलिय्याह जानता था कि यह सारी बेदारी बाहर हो रही है। लेकिन वह... इसने उसे कभी भी बाहर की ओर आकर्षित नहीं किया। लेकिन जब उसने परमेश्वर की उस धीमी छोटी आवाज को सुना, तब वह आकर्षित हो गया था। और वो अपने मुंह को पर्दा करके, बाहर आ गया। क्यों? एलिय्याह अब्राहम का बीज था, वचन का अनुकरण कर रहा था।

250 "यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में, तो जो चाहो मांगो, यह तुम्हारे लिए हो जाएगा।"

आइए प्रार्थना के लिए कुछ क्षण के लिए अपने सिरों को झुकाये।

251 ओह, कलीसिया, कैसे, जब मैं इस तरह से प्रचार करता हूं, तो मैं कैसा महसूस करता हूं! आत्मा मुझ से दूर हो जाता है, और मैं पीछे की ओर देखता हूं, मैं ऐसे लोगों को देखता हूं जो वास्तव में उनके जेब में जाकर और अपने बच्चों से भोजन को ले लेते हैं, ताकि इसे मुझे दे। मैं यहां छोटी महिलाओं को देखता हूं, हो सकता है छोटे बालों के साथ हो, वे क्या करते है? वे मेरे लिए संसार में कुछ भी करेंगे जो वे कर सकते थे। पुरुष इस प्रकार की पत्नी के साथ रहता है, और मैं बस उस वचन के साथ काट कर टुकड़े कर रहा हूं, चोट पहुंचती है, उसका विवेक नीचे गिरा हुआ है, और फिर भी वह मनुष्य यहां पर जाकर और गुलामी करता, और अपना दशमांश मुझे भेजता है। यह सही है। तब यह मुझे शर्म महसूस करवाता है, फिर शरीर में वापस आकर, आप महसूस करते हैं, "क्या कहा—मैंने क्या कहा? " मेरा अर्थ चोट पहुंचाना नहीं है, यह ऐसा नहीं है।

252 लेकिन, ओह, भाई, और मेरी प्यारी छोटी बहन और भाई, यदि यह परमेश्वर का वचन है, और यह उसका आत्मा है जो उस वचन को आपके लिए जीवन में लाता है, तो यह न्याय के दिन पर क्या होगा? मैं आपको उस दिन के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा हूं। कृपया, कृपया करके केवल उसके वचन को ले। यदि मैं कभी किसी भी चीज का प्रचार करता हूं जो कि वचन नहीं है, परमेश्वर की प्रतिज्ञा नही है, तो आपको मेरे पास आने का अधिकार है। लेकिन यह तो वचन है। और यह इसलिए है क्योंकि मैं आपसे प्रेम करता हूं।

253 ये ऐसा नहीं है क्योंकी कि मैं—मैं आपको नाव में नहीं चाहता। यह इसलिए है क्योंकि नाव आपको वहां नहीं ले जाएगी। आप इन दिनों में से एक दिन समाप्त होने जा रहे हैं।

254 आपको न्याय में आना होगा। "छोटे से छोटा दोषी पूरी तरह से दोषी होता है।" और जब आप जानते हैं कि ऐसा करने के लिए कुछ भी सही है, तो यह परमेश्वर का वचन है और इसे करने की प्रतिज्ञा है, तब आप इसे नहीं करते हैं, तो इसके बारे में क्या है? आपसे एक कारण बताने के लिए पुछा जाएगा, तब क्या? जब आज सुबह का यह संदेश आपके सामने उस ओर न्याय के दिन पर्दे पर दिखाया जायेगा, इसके बारे में क्या है? मित्रों, इस पर सोचे। हो सकता है कि दिन खत्म होने से पहले आप मर जाये। हो

सकता है हम सभी। और एक बात तो निश्चित है, आप मरने जा रहे हैं।

255 उस दिन मैं खड़ा हुआ अपनी मां को देख रहा था, मैंने उसे अपने हाथो से पकड़ रखा था। उससे थोड़ा पहले मैं अपने पिता को पकडे हुए था, और पिता को जाते हुए देखा।

256 मैंने उन्हें मार्ग के अंत में आते देखा है, जिन्होंने सोचा कि वे बिल्कुल ठीक थे। कहते है, "ओह, भाई ब्रंहम, ओह, यदि मैं बस थोड़ी देर और जी सकता!" तब बहुत देर हो जाती है। और याद रखें, मृत्यु प्राण को नहीं बदलती, यह केवल इसके रहने के स्थान को बदलती है। और यदि आप देखते हैं कि आपके भीतर कुछ तो है, तो अभी विचारशील बने, यदि आप देखते हैं कि आपके भीतर कुछ तो है जो आपको इस तरह से व्यवहार करने को लगा रहा है और इस तरह से महसूस करवाता है, जैसे आपको महसूस नहीं करना चाहिए, इस सुबह पश्चाताप करें। क्या आप करेंगे, मित्र? आओ। हो... आपको ऐसा होने की जरुरत नहीं है। आप एक अभागे व्यक्ति हैं। एक सच्चे शाही बीज के जीवन को जीये। परमेश्वर आज आपको चाहता है।

257 क्या आप अपना हाथ उठायेंगे, जबकि आपका सिर और ह्रदय झुका हुआ है। कहे, "भाई ब्रंहम, मैं अपना हाथ परमेश्वर की ओर उठाता हूं। ईमानदारी से, मेरे ह्रदय से, यही है जो मैं बनना चाहता हूं। यही है जो मैं वास्तव में होना चाहता हूं। मैं—मैं यहां पर गड़बडी कर चुका हूं और बाकी की हर एक चीज, लेकिन वास्तव में मैं—मैं इस तरह से नहीं होना चाहता हूं। मैं वही होना चाहता हूं जिसके बारे में आप आज सुबह बात कर रहे हैं। मेरे लिए प्रार्थना करें, भाई ब्रंहम। मैं अपने हाथ परमेश्वर की ओर उठाता हूं, ना ही आपकी ओर, भाई ब्रंहम, लेकिन परमेश्वर की ओर। और मेरे ह्रदय में, वह मेरे ह्रदय को जानता है, मैं उसी प्रकार का मसीही होने की लालसा रखता हूं, जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं, यीशु मसीह में से होते हुए अब्राहम का एक शाही बीज।" अब अपना हाथ उठाये और कहे, "मैं... मेरे लिए प्रार्थना करे, भाई ब्रंहम।" परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। निश्चय ही वह इसे आपके लिए करेगा।

258 हमारे स्वर्गीय पिता, आपके वचन के उजियाले में, आपके पुनरुत्थान की सामर्थ में! और मैं समझता हूं, प्रभु, कि यह बेचारे लोग बहुत सी बार यहां से भटक जाते हैं, विभिन्न... लोग शायद ही जान पाते हैं कि क्या करना

है; एक आता है, एक बात को कहता है; और एक आता है, दूसरी बात को कहता है।

259 और यहां फिनिक्स में, यह बड़ा शहर है, तो, पर्यटक लोगों का, जहां पर हर एक चीज सारे राष्ट्र भर से इसके अंदर बह जाते है, दोनों शारीरिक और आत्मिक रूप से। उस दिन पहाड़ पर खड़ा हुआ था, और सोच रहा था कि एक दिन में कितनी बार परमेश्वर का नाम वहां पर व्यर्थ में प्रयोग किया जाता है, कितने ही व्यभिचार होते हैं, कितना पाप और कीचड़ यहाँ की सड़कों पर होता है, और शराबखाने और लोग बहुत सा समय शराबखाने में बिताते है, और हर एक चीज होती है, उनमें से बहुत से विश्वासी होने का दावा करते हैं, मसीही होने का!

260 महिलाएं सड़क पर जा रही होती हैं, उनके हाथ में सिगरेट होती है। अनैतिक कपड़ों को पहने हुए चलती है, जब आपने कहा कि ये आपके सामने बदबू है, "यह एक घृणित बात है," जैसे कि एक पुराना, गंदा, भ्रष्ट, कहीं तो बदबूदार मूत्रालय। हे परमेश्वर, भला एक स्त्री कैसे हो सकता है कि पवित्र आत्मा होने का दावा करती है, जो इस तरह की चीज को करती है, और जानती हैं कि उद्धारकर्ता की नाक में, इस तरह की गंध आती है, जो गंदी बदबू है? कैसे उसके पास भला ऐसी चीज हो सकती है जो उसके राज्य में है? पिता, यदि वे केवल जान पाते, वे इस बात से लाखों मील दूर है।

261 मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, दया करे। कोई भी उन नाश हुए क्षेत्रों में नहीं जाना चाहता है। कोई भी वहां पर नहीं जाना चाहता, पिता। यह हममें से किसी के जाने से बहुत दूर है। फिर भी वहां उस व्यक्ति में एक अच्छा ह्रदय है, उस पुरुष, उस स्त्री में, एक पुरुष या महिला जो उपकार करने वाले और भले और दयालु है, और अभी शैतान के द्वारा भरमाये गये है। शैतान ने ऐसा किया।

262 शैतान, मैं तेरे विरोध में हूं, क्योंकि तू मेरे प्रभु का शत्रु है। तू उसके वचन का शत्रु हैं। और मैं तुझे यीशु मसीह के द्वारा, परमेश्वर के पुत्र के द्वारा आज्ञा देता हूं, एक मरणहार जीव के रूप में, यह जानते हुए कि मेरे अंदर कोई सामर्थ नहीं है। मेरे पास तुझे रोकने की सामर्थ नहीं है। मेरे पास इन महिलाओं में से किसी को भी शुद्ध करने की सामर्थ नहीं है, इनमें से किसी भी पुरुष को, जो इस टेप को सुन रहा है, या—या कहीं भी है।

मेरे पास उन्हें शुद्ध करने का कोई तरीका नहीं है। मैं सामर्थहीन हूं। लेकिन मेरे पास एक सेवक के रूप में परमेश्वर के वचन का अधिकार है, कि इसे प्रचार करूं, और उस अधिकार के लिए कर्तव्य से बंधा हुआ हूं। ना ही उस पुलिसकर्मी के पास यहां पर सामर्थ होती है जो एक कार को रोक सके, लेकिन उसके पास इसे करने का अधिकार होता है।

263 और, शैतान, तू भी अपने ब्रेक को जोर से दबा सकता है, क्योंकि मैं तुझे यीशु मसीह के द्वारा आज्ञा देता हूं, कि तू इन लोगों को छोड़ दे, सारे संसार भर में, जहां कहीं भी यह संदेश जाये। उन्हें आजाद कर दे। मैं उन पर दावा करता हूं, कि वे खरीदे गए हैं। वे खुद अपने नहीं हैं। वे एक दाम देकर खरीदे गए हैं, वे अब्राहम के शाही बीज हैं, प्रभु यीशु।

264 तू गंदे, मलिन, बदबूदार ढोंगी, मनुष्यों को भरमाने वाले, उन्हें अंधेरे में अधोलोक के गड्ढे की ओर ले जाता है, उन्हें छोड़ दे। मैं तुझे जीवते परमेश्वर के द्वारा, उसके पुत्र यीशु के बलिदान के द्वारा आज्ञा देता हूं, कि तू उन्हें छोड़ दे, जिससे कि उनके प्राण उसकी आशीष और उसकी उपस्थिति से भर जाए, कि वे हर एक शत्रु के फाटक पर अधिकार पा सके। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] तू उन्हें *इसके* लिए, *उसके* लिए, या *कुछ* और बात के लिए प्रतीक्षा करवा रहा है, या कुछ पवित्र स्पर्श के लिए, या कुछ और चीज के लिए, लेकिन मैं कह रहा हूं कि तू अपनी पकड़ को खोने जा रहे हैं।

265 इस तरह के अभिषेक में बीमारी भला कैसे खड़ी हो सकती है? केवल जब उन्होंने उस ओर प्रतिज्ञा पर देखने से इंकार कर दिया जैसे पिता अब्राहम ने किया था, जब वह उसे सैकड़ों वर्ष दूर एक आकृति में आते हुए देख सकता था।

266 उन्हें छोड़ दे। यीशु मसीह के नाम में, उन लोगों को जाने दे।

267 होने पाए परमेश्वर की सामर्थ, वचन की समझ से, जैसा कि वे आज सुबह इसके द्वारा धोए गए हैं, होने पाए परमेश्वर के वचन का पालन करने और उसकी प्रतिज्ञाओं को सच रखने की समझ हो, एक ऐसी पकड़ जिसे शैतान के द्वारा तोड़ा नहीं जा सके। होने पाए हर एक जन उस प्रतिज्ञा को थामे रहे, कहते हुए, "यही है ये। मैं इसे पकड़े हुए हूं। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की। मैं अब्राहम का बीज हूं। मैं उसकी प्रतिज्ञा पर कैसे संदेह कर सकता हूं? " और हमारे प्रभु यीशु मसीह में से होते हुए आगे बढ़ते रहे। आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूं...

268 यह आज सुबह काट–छांट रहा है, मित्रों। आइए अब मधुरता से आराधना करें।

क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

269 क्या यह संभव हो सकता है, ना ही धर्म विरोधी, निश्चय ही नहीं... यह धार्मिक है—है। आइए हम अपने हाथों को उसकी ओर उठाये जिससे हम प्रेम करते हैं। और कहे:

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

270 अब, यहां हर महिला या लड़की के लिए, यह मेरा हाथ है। परमेश्वर आपसे प्रेम करता है। यहां हर एक पुरुष या लड़के के लिए, परमेश्वर आपसे प्रेम करता है। मैं आपसे प्रेम करता हूं। अब, मैं आपके हाथों में से हर एक को नहीं ले सकता, लेकिन परमेश्वर आपके लिए व्यक्त करता है कि मेरा क्या मतलब है। जब हम इसे फिर से गाते हैं, बस घूमकर और किसी के साथ हाथ को मिलाये। "इससे सब मनुष्य जान जायेंगे कि तुम मेरे चेले हो, जब तुम्हारे पास एक दूसरे के प्रति प्रेम होता है।"

मैं...
... मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

271 क्या आप उससे प्रेम नहीं करते? पवित्र आत्मा की वह मधुर अनुभूति! वचन एक शुद्ध करने की प्रक्रिया है, बस आपको रगड़ कर साफ़ करता है, आपको एक नई सृष्टी बनाता है, सब कुछ निकाल देता है। वचन दोधारी

तलवार से भी तेज है, खतना करने वाला, संसार की सारी चीजों को काट कर दूर करता है। देखा? तब हम शुद्ध महसूस करते हैं, रगड़ कर साफ़ किये हुए, स्वीकार करते हुए और उस पर विश्वास करते हैं। इसी प्रकार से हम गा सकते हैं:

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी पर।

272 वो सुंदर? मैं बस इसे अपने पूरे हृदय से प्रेम करता हूं। देखा? आइए इसे फिर से कोशिश करें, अब हर कोई, वास्तविक, अब आपकी पूरी जोर की आवाज के साथ।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी पर...

62-0121M और तेरा बीज उसके शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा
फैथ टेबरनेकल
फोनिक्स, एरिज़ोना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org